जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 116 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 21 नवम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

भाजपा हाई कमान ने ज्यादा मैच्योरिटी (समझदारी) से ''हैण्डल'' की बागियों की चुनौती

फाइनल्स में (2024 के लोकसभा चुनाव में) यह मैच्योर हैंडलिंग भारी ''एडवांटेज'' साबित होगी भाजपा के लिये

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 20 नवम्बर। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा की आंतरिक स्थिति ज्यादा जटिल व पेचेदगी पूर्ण रही, कांग्रेस की तुलना में। कई मुख्यमंत्री पद के ''उम्मीदवार'' थे भाजपा में, और इससे भी ज्यादा बड़ी चुनौती व दुविधा थी पूर्व मु.मंत्री वसुंधरा राजे को पूर्णतया बागी नहीं होने देना, पर, यह भी स्पष्ट मैसेज देना कि, हाई कमान उनसे ''खुश'' नहीं तथा हाई कमान उन्हें संभवतया मु.मंत्री पद पर स्वीकार करने का इच्छुक नहीं।

उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट में हाई कमान ने यह भी ''इम्प्रेशन'' बनने दिया कि, वसुंधरा राजे के समर्थकों को लगभग चालीस टिकट मिले। पर, उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी होने के बाद, जब यह भी स्पष्ट हो गया कि, वसुंधरा के ''जिहादी जत्थे'' (सबसे वफादार समर्थकों) जैसे परनामी, यूनुस खान और राजपाल सिंह को टिकट नहीं मिला है तो, वसुंधरा जी के खेमे में मायूसी छायी तथा वसुंधरा जी को भी शायद स्पष्ट हो गया कि, हाई कमान उन्हें मु.मंत्री के रूप में देखना नहीं चाहता। पर, अपने चालीस समर्थक, जिन्हें टिकट मिले हैं, को जिताने के प्रयास में उन्हें जुटना ही पड़ा। लेकिन, मजे की बात यह है कि, ये चालीस समर्थक जिन्हें टिकट मिल हैं, वे पूर्णतया वसुंधरा जी के खेमे के लोग नहीं हैं। इन लोगों ने सभी बड़े भाजपा नेताओं के, हाई कमान के भी पूरे चक्कर खाये हैं टिकट पाने के लिये तथा नेताओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज प्र.मंत्री का जयपुर में रोड शो

जयपुर, 20 नवंबर (का.सं.)। मरुधरा का रण जीतने के लिए अब प्रदेश की कमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूरी तरह अपने हाथ में ले ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहली बार जयपुर में रोड शो के माध्यम से जनता से वोट की अपील करेंगे।

लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने वाराणसी में रोड शो किए थे और उसके बाद हाल ही में गुजरात

- प्रधानमंत्री मोदी परकोटे में 5 किलोमीटर लम्बा रोड शो करेंगे।

में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में लगभग सभी संभागों में रोड शो के आयोजन हुए थे। गुजरात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो द्वारा भाजपा को सफलता हासिल हुई थी, और अब राजस्थान की राजधानी जयपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो का आयोजन मंगलवार शाम को किया जाएगा। परकोटे में लगभग पांच किलोमीटर का रोड शो होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकानेर में मोदी का रोड शो: लोगों ने कहीं फूल बरसाए, तो कहीं आरती उतारी

- पाली की विशाल आमसभा में मोदी ने कहा, पाली के भाजपा कार्यकर्ता और सोजत की मेहंदी का रंग कभी उतरता नहीं है।
- पीलीबंगा की विशाल आमसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने, श्रीगंगानगर व हनुमानगढ़ जिले के नशे के तस्करों को जेल भेजने की गारंटी दी।

बीकानेर, 20 नवम्बर (कासं)। बीकानेर में प्रधानमंत्री मोदी रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी। जूनागढ़ से शुरु हुआ साढ़े चार किलोमीटर का रोड शो, एक घंटा चला। खुली जीप में सवार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दोनों ओर खड़े भारी जनसमूह का अभिवादन किया लोगों ने मोदी-मोदी के नारे से आसमान गुंजा दिया। रोड शो जुनागढ़ के आगे से शुरू होकर सादुल सर्किल, हैड पोस्ट आफिस, जस्सूसरगेट, एम.एम. ग्राउण्ड होते गोकुल सर्किल पहुंचा। रास्ते भर में रोड शो का जगह जगह पर स्वागत किया गया। लोग प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए घंटों तक इंतजार में खड़े रहे।

रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर कहीं पुष्प वर्षा की गई तो कहीं दीपकों से सजी थाली से महिलाओं ने मोदी की आरती उतारी। रोड शो में वाहन पर सवार मोदी कुछ नहीं बोले, केवल हाथ हिलाते लोगों का कभी हाथ हिलाकर कभी हाथ जोड़कर अभिवादन करते रहे। रोड शो के दौरान मोदी के पास पार्टी का सिम्बल कमल का फूल और केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ही रहे। सड़क के दोनों और लगे बैरिकेड्स को भाजपा के झंडे के रंग के कपड़ों से सजाया गया था तथा हरे-केसरिया गुब्बारे लगाए गए थे।

मोदी ने सोमवार को पाली-सोजत राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाडन गांव स्थित ओम विश्वदीप गुरुकुल आश्रम में विशाल सभा को संबोधित किया। मोदी सोमवार अपरान्ह लगभग 12.05 बजे आर्मी के तीन हैलिकॉप्टर घेरे में जाडन पहुंचे। उन्होंने कहा कि ''पाली का भाजपा कार्यकर्ता और सोजत की मेहंदी का रंग नहीं उतरता।'' मोदी ने कहा, राज्य के लोग भाजपा को सत्ता में लाने के लिए आतुर हैं। भाजपा राज्य के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

अपनी करनी कभी निष्फल नहीं जाती। –कबीर

राजस्थान के मतदाता से अपील

25 नवंबर 2023 को राजस्थान की विधानसभा के लिए मतदान होगा। इस मतदान के माध्यम से यह तय होगा कि आगामी 5 वर्ष तक राजस्थान का प्रतिनिधित्व कौन से 200 विधायक करेंगे और वे बहुमत से निर्णय लेंगे कि राज्य में आगामी 5 साल तक किसका शासन होगा?

राजस्थान में कुल 5.26 करोड़ मतदाता हैं, जिनमें से 2.51 करोड़ महिला एवं 2.75 करोड़ पुरुष मतदाता हैं। औसतन एक विधायक लगभग 4 लाख लोगों या 2.6 लाख मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करता है। 25 नवंबर को मतदाता जब मतदान स्थल तक जाएगा तो उसे किन बातों का ध्यान रखकर मतदान करना चाहिए, इस संबंध में कुछ बिंदु प्रस्तुत हैं, ताकि उसे सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति का चयन करने में सहायता मिल सके।

सर्वप्रथम, तो यह सुनिश्चित करना है कि सभी मतदाता अवश्य ही मतदान करें। कई लोग यह समझते हैं कि मतदान करने से क्या फायदा और एक वोट से होगा क्या? उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि वह मतदान न करके भी उस व्यक्ति की सहायता करेंगे जो उनके अनुसार सही नहीं है। छोटी–मोटी कोई भी समस्या हो, प्रत्येक को मतदान केंद्र तक जाकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना ही है। यह उल्लेखनीय है कि गत चुनाव में ऐतिहासिक मतदान प्रतिशत होने के बावजूद 75 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इसका अर्थ यह हुआ कि अपना प्रतिनिधि चुनने में 25 प्रतिशत लोगों ने अपनी भागीदारी नहीं निभाई। सामान्यतया जीत – हार में अधिकतम अन्तर कुल मतदाताओं का 5 प्रतिशत होता है। कई बार तो यह अन्तर 1000 वोट से भी कम, यानि कुल मतदाताओं का 0.5 प्रतिशत या इससे भी कम होता है। यदि शेष 25 प्रतिशत मतदाता भी अपने अधिकार का प्रयोग करते, तो परिणाम क्या होता, कहा नहीं जा सकता। कहने का तात्पर्य यह कि प्रत्येक मतदाता का मत बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि वह परिणाम को बदलने की क्षमता रखता है। अतः सभी मतदाताओं से आग्रह है कि वे मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और राजस्थान में आगामी 5 वर्ष के लिए सरकार चुनने में अपनी भागीदारी निभाएं।

अब प्रश्न यह उठता है कि अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय किन बातों का उसे ध्यान रखना चाहिए। सामान्यतः उम्मीदवार या तो किसी राजनीतिक दल के टिकट पर चुनाव लड़ रहा होगा अथवा कोई निर्दलीय हो सकता है। आपके क्षेत्र का उम्मीदवार या तो पूर्व से राजनीति में होगा या कोई पहली बार राजनीति में प्रवेश कर रहा होगा। पहली परिस्थिति में यदि कोई व्यक्ति, पहले से किसी राजनीतिक दल में है, उसके टिकट पर चुनाव लड़ रहा है तो आप उस दल की विचारधारा के अनुसार मतदान कर सकते हैं। साथ ही यह भी अवश्य देखिए कि आपके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व जो व्यक्ति करेगा उसकी क्षमता एवं गुण क्या हैं? आप कोई वस्तु खरीदते हैं तो उसकी गुणवत्ता, कीमत सबका ठोक बजाकर आकलन करने के बाद ही अपना निर्णय लेते हैं। यहाँ तो आप आगामी पाँच साल के लिए अपना विधायक चुन रहे हैं तो आपको अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

सर्वप्रथम, तो यह सुनिश्चित करें कि आपराधिक छवि वाले व्यक्ति को आपका मत नहीं मिले। प्रत्येक उम्मीदवार के विरुद्ध आपराधिक प्रकरणों की जानकारी सार्वजनिक रूप से चुनाव आयोग की वेब साइट पर उपलब्ध है। यह उल्लेखनीय है कि मतदाताओं द्वारा अपने कत्तर्व्य का निर्वहन नहीं करने के कारण ही आपराधिक पृष्ठभूमि के विधायकों की संख्या बढ़ती गई है।

दूसरा गुण उस व्यक्ति में आप देख सकते हैं, वह उसकी ईमानदारी है। जो व्यक्ति पहले से राजनीति में है, उसके बारे में आपको स्वयं को पता होगा अथवा न पता हो तो जानकारी अवश्य करिए कि वह ईमानदार है या नहीं? उसकी संपत्ति में किस प्रकार वृद्धि हुई है एवं उसकी आय के साधन क्या हैं? अपनी आय प्राप्ति के लिए वह किस प्रकार के साधनों का प्रयोग करता रहा है? यदि किसी व्यक्ति की सम्पत्ति उसकी आय के ज्ञात साधनों से अधिक है तो उसे अपने मत का समर्थन मत दीजिए। जो व्यक्ति अब तक अनैतिक, गैर कानूनी तरीकों से अथवा अपने पद के प्रभाव के कारण धन का संचय करता रहा है तो अचानक वह ऐसा करना बंद कर देगा, ऐसा सोचना सही नहीं होगा। यदि कोई व्यक्ति ईमानदार है तो उसे आपके क्षेत्र का प्रतिनिधि बनने का अधिकार होना चाहिए।

यदि कोई व्यक्ति अब तक राजनीति में नहीं था और पहली बार राजनीति में प्रवेश कर रहा है, तो उसके बारे में यह पता कीजिए कि सार्वजनिक जीवन में उसका रिकॉर्ड क्या रहा है? यदि कोई अधिकारी था तो क्या उसने ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ जन समस्याओं को हल करने का काम किया है अथवा लोगों के साथ असंवेदनशील और भ्रष्ट तरीके अपनाते हुए अपने धन का संचय किया है? क्या उसने सेवा काल में नेताओं की चापलूसी करके तथाकथित मलाईदार पोस्टिंग प्राप्त करने में ही पूरी ऊर्जा लगा दी? यह पता करना कोई मुश्किल काम नहीं है कि किसी भी अधिकारी की छवि क्या रही है? यदि आपको न पता हो, तब भी इस बारे में पूरी जानकारी प्राप्त करके ही मताधिकार का प्रयोग करेंगे तो आप अधिक उपयुक्त व्यक्ति अपने क्षेत्र के लिए चुन पाएंगे।

समाज में महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के प्रति आपके उम्मीदवार का किस प्रकार का दृष्टिकोण रहा है, यह भी आपके निर्णय का आधार होना चाहिए। कई व्यक्ति ऐसे होते हैं जो महिलाओं को एक वस्तु की तरह समझते हैं एवं उसी प्रकार उनका उपभोग करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को अपना प्रतिनिधि चुनने से परहेज करेंगे तो अधिक अच्छा होगा।

तीसरी कसौटी किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में यह हो सकती है कि वह, क्या केवल अपनी जाति, धर्म और अपने ही परिवार के लोगों के लिए पूरे समय काम करता रहा है या उसने बिना भेदभाव के अपने क्षेत्र के सभी लोगों के साथ मिलकर काम करने का प्रयास किया है? देश हित में और आपके क्षेत्र के हित में भी यही है कि निर्वाचित व्यक्ति, जाति– धर्म– वर्ग – परिवार से ऊपर उठकर केवल सार्वजनिक हित को सर्वोपरि रखे एवं उस व्यक्ति का हित सबसे पहले देखे जो जिसका और कोई सहारा ना हो एवं जो स्वयं अपने लिए रास्ता बनाने में सक्षम न हो। यदि किसी व्यक्ति ने साधारण जनता की कीमत पर कुछ बाहुबलियों और धनाढ्य, प्रभावशाली व्यक्तियों के हित को आगे बढ़ाने का काम किया हो तो ऐसे व्यक्तियों को आपका समर्थन नहीं मिलना चाहिये। आपका मत उसे मिलना चाहिए जिसका चरित्र उत्तम हो। जिस व्यक्ति में चरित्र का नैतिक बल नहीं होगा, वह गलत नीतियों और असंवेदनशील अधिकारियों का विरोध करने का साहस नहीं जुटा पाएगा। अपने उम्मीदवारों के बारे यह जानकारी जुटाना कठिन नहीं है। क्या उम्मीदवार केवल अपने स्वयं के परिवार के एवं जाति, रिश्तेदारों के लिए ही पूरा समय काम करता है अथवा अपने क्षेत्र के सार्वजनिक हित के लिए भी अपना पूरा समय देता है?

चौथी कसौटी यह होनी चाहिए कि क्या उम्मीदवार सरल जीवन यापन करता है अथवा दिखावे के जीवन में विश्वास करता है? क्या वह बहुत ही वैभवशाली तरीके से अपना जीवन यापन कर रहा है? यदि वह ऐसा करने के लिए किसी को अनुचित लाभ पहुंचा कर बदले में लाभ प्राप्त करने की दृष्टि से ऐसा करता रहा है तो ऐसे व्यक्ति से सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे व्यक्ति कभी भी साधारण नागरिक के साथ अपने आप को नहीं जोड़ पाएंगे। यदि चुनाव के दिनों में ऐसा कर भी रहे हैं तो वह केवल मतदान के दिन तक होगा और जीतने के बाद वह साधारण जनता की ओर कभी रुख भी नहीं करेंगे। ऐसा व्यक्ति आपके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का सही अधिकारी नहीं है।

पांचवां मापदंड यह कि, उसका व्यवहार किस प्रकार का है? क्या सामान्य व्यक्ति के लिए उससे मिलना पहले संभव रहा है एवं जब भी आपने उससे मिलने का प्रयास किया तो आप सफल हो पाए या नहीं? यदि पहले वह आपके क्षेत्र का विधायक रह चुका है, तो इसका आकलन करना आपके लिए और भी सरल है। जो व्यक्ति जनता से दूर रहेगा वह व्यक्ति आपके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने का अधिकारी हो नहीं सकता। अपने मतदान का प्रयोग करते समय इस बात पर अवश्य ध्यान दें कि कौन सा उम्मीदवार जनता को सहजता के साथ उपलब्ध है एवं क्या सामान्य जन, अपनी समस्या से अवगत कराने के लिए उसके पास पहुंच सकता है?

अपने मताधिकार का प्रयोग करते समय यह भी देख सकते हैं कि कोई व्यक्ति केवल चुनाव के कुछ दिनों पूर्व ही दल बदल कर किसी नए दल में तो नहीं आया है, और वहां से टिकट प्राप्त कर के उम्मीदवार बन गया है? ऐसे व्यक्ति सामान्यतया किसी विचारधारा में विश्वास नहीं रखते हैं एवं दल बदल का मुख्य कारण ही यह होता है उन्हें उनके दल ने उन्हें टिकट नहीं दिया। ऐसे व्यक्ति आपके क्षेत्र का सही तरह से प्रतिनिधित्व कर पाएंगे, इसकी संभावना कम ही है। वे किसी नीति या निर्णय का विरोध केवल स्वयं के स्वार्थ के लिए ही करेंगे। दल बदल की प्रवृत्ति पर रोक भी तभी लगेगी जब इस प्रकार के लोग चुनकर विधानसभा में नहीं जाएंगे। अपने क्षेत्र के बारे में इसका आकलन करने के पश्चात ही अपने मताधिकार का प्रयोग करें तो दल बदलने वालों को सबक सिखाने का यह एक अच्छा अवसर होगा।

मताधिकार का निर्णय करते समय एक महत्वपूर्ण बिंदु ध्यान में रखने योग्य यह है कि आपका प्रतिनिधि कितना शिक्षित और कितना जानकार है? शिक्षा का अर्थ केवल औपचारिक शिक्षा ही नहीं अपितु अपने विवेक एवं ज्ञान के आधार पर क्या वह नीतियों के प्रभाव का आकलन करने में समर्थ है या नहीं? जब कोई व्यक्ति विभिन्न प्रकार की नीतियों का सामान्य मतदाता पर क्या प्रभाव होगा, इसका आकलन करने में ही सक्षम नहीं है, तो वह किस प्रकार विधानसभा में अपना पक्ष पुरजोर तरीके से प्रस्तुत कर पाएगा? किसी भी व्यक्ति की शैक्षिक योग्यता के साथ ही उसमें सार्वजनिक क्षेत्र से संबंधित बिंदुओं को समझने एवं उनका विश्लेषण करने की तथा उनके सामान्य जनजीवन पर प्रभाव का आकलन करने की कितनी क्षमता है, इसको देखकर ही अपना मत उसे दें। मतदाताओं को यह स्पष्ट होना चाहिए कि आपके 25 नवंबर के मतदान के माध्यम से राज्य की सरकार चुनी जाएगी न कि स्थानीय निकाय की एवं न ही केंद्र सरकार की। कई बार मतदाता अपने मत का प्रयोग करते समय इस बात को भूल जाता है। केंद्र सरकार, राज्य सरकार स्थानीय निकाय या पंचायती राज संस्थायें सबकी अपनी अलग अलग भूमिका है, किन्तु 25 नवंबर को होने वाले मतदान के आधार पर, राज्य के सरकार के स्तर पर लिए जाने वाले निर्णय लिए जाने के लिए ही सरकार का गठन किया जाएगा। सरकार उसी की बनेगी जिसे आपके द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों में से बहुमत का समर्थन प्राप्त होगा। वैसे भी सामान्य नागरिक के जीवन को प्रभावित करने वाले अधिकांश निर्णय राज्य स्तर पर ही लिए जाते हैं।

जिस दल के द्वारा आपके जीवन को प्रभावित करने के संबंध में निर्णय लिए जाएंगे, उनके बारे में सोच–समझकर अपने अधिकार का प्रयोग कीजिएगा। क्या आपके क्षेत्र के उम्मीदवार ने अथवा उसके दल ने, आपके जीवन को अधिक सुगम एवं सरल बनाने हेतु कार्य किया है अथवा परेशानियां और बढ़ाई हैं? आप जब अपना वोट दें, तो इस कसौटी पर भी अपने उम्मीदवार को कसकर अवश्य देखें कि किसने आपके जीवन में सुगमता और सुविधा बढ़ाने का कार्य किया है? समाज में महिलाओं एवं कमजोर वर्ग के प्रति आपके उम्मीदवार का किस प्रकार का दृष्टिकोण रहा है, यह भी आपके निर्णय का आधार होना चाहिए। कई व्यक्ति ऐसे होते हैं जो महिलाओं को एक वस्तु की तरह समझते हैं एवं उसी प्रकार उनका उपभोग करते हैं। ऐसे व्यक्तियों को अपना प्रतिनिधि चुनने से परहेज करेंगे तो अधिक अच्छा होगा। जो भी जनप्रतिनिधि महिलाओं एवं समाज के कमजोर एवं वंचित वर्ग के अधिकारों की सुरक्षा एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध न हो, वह आपके क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए कतई उपयुक्त नहीं है।

कुछ बिंदु यहां पर लिखे गए हैं एवं इसके अतिरिक्त भी आप चुनाव करते समय अपने पूरे विवेक और जिम्मेदारी के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग करें। आपके द्वारा चुना गया विधायक पांच वर्ष तक आपके क्षेत्र लिए आवंटित करोड़ों रुपए का उपयोग (या दुरुपयोग?) करने के लिए जिम्मेदार होगा। यदि आपने 25 नवंबर को यह सावधानी बरती और पूरे विवेकपूर्ण तरीके से उपरोक्त बिंदुओं की कसौटी पर कसते हुए अपने उम्मीदवार का चयन किया और उसे विजेता बनाया तो आगामी पांच वर्ष तक आपका क्षेत्र अधिक तेजी से विकास की गति पर आगे बढ़ पाएगा और समाज में अधिक समन्वय और सहयोग की भावना आपके क्षेत्र में बनी रहेगी। आपके प्रतिनिधि का संपर्क भी आपसे केवल चुनाव के दिन ही नहीं अपितु 5 वर्ष तक निरंतर बना रहेगा। आप अपने क्षेत्र के लिए सर्वाधिक उपयुक्त व्यक्ति का समर्थन करते हुए उसे विजय प्राप्त करने में सहायक बनेंगे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ, आपसे एक बार पुनः आग्रह है कि अपने मत के अधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

किसान-ग्रामीण भारत और चुनाव

महावीर सिंह

राजस्थान की विधान सभा के लिए, मतदाताओं द्वारा विधायकों का चुनाव करने के लिए 25 नवम्बर, 2023 को वोट डाले जाएंगे। मतदान का अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त वह अधिकार है जिसके द्वारा मतदाता अपनी पसंद के उम्मीदवार को मत देगा। जिस उम्मीदवार को सर्वाधिक मत मिलेंगे, वह व्यक्ति आगामी 5 साल के लिए विधान सभा में और सरकार के समक्ष जनता की मांगे, कठिनायों को रखेगा और समाधान के प्रयास करेगा।

मतदाताओं के विभिन्न समूहों की अलग अलग दिक्कतें है, आकांक्षाएं है और स्वस्थ लोकतंत्र में उन्ही सब बातों को ध्यान में रख कर मतदाता से मतदान की अपेक्षा की जाती है। युवाओं के लिए सरकारी, गैर सरकारी रोजगार, स्वरोजगार की शीघ्र व सहज उपलब्धता का मुद्दा होगा। महिलाओं के लिए आम सुरक्षा, गृहणियों के लिए मंहगाई, विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति करने–आगे बढ़ने के अवसर और अपनी पहचान के मुद्दे होंगे।आम गरीब जन के लिए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, बच्चो की शिक्षा आदि अहम मुद्दे है। यह बात अलग है कि मतदाता अपने मुद्दों को ध्यान में रख कर वोट डालेगा या धर्म, जाती, क्षेत्र, जातीय जनगणना, आरक्षण जैसी बातों को महत्व देगा। 60 प्रतिशत के लगभग किसानों, ग्रामीणों के लिए अहम मुद्दे क्या है? वैसे तो हमेशा से ही किन्तु वर्ष 2000 के बाद, प्रायः, हर पार्टी और उनके बड़े नेता को किसानों को खुशहाल करने की बात बड़े जोर सोर से कहते रहे है किन्तु अफसोस, आज भी औसतन ग्रामीण भारत/किसानों की प्रतिदिन औसत आय मात्र 27 रु के करीब है।

दोनों बड़ी पार्टियां चुनाव से पहले वोटर्स को लुभाने के लिए आने वाले 5 साल में किस वर्ग के लिए क्या करेंगी, इसकी घोषणाएं करती हैं। भाजपा नें 16 नवम्बर, 23 को अपना घोषणा पत्र जारी किया है। कांग्रेस नें पिछले 6 माह से नई–नई योजनाओं की घोषणा–क्रियान्वयन किया है और अब 7 गारंटियों की घोषणा की है। आओ किसानों की दृष्टि से, उनकी आशाओं – मांगों पर विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के अब तक के रवैये, उनकी घोषणाओं के मध्यनजर उन पर विचार करें ::––

कृषि के सम्बंध में कोई चर्चा करने से पहले, चौधरी चरण सिंह जी का यह कथन याद रखना होगा कि भारत की उन्नति का रास्ता खेत–खलिहान में से होकर गुजरता है। किसानों की वर्षों से मांग रही है कि–

(1) उन्हें उनकी फसल/पैदावार का लाभकारी मूल्य मिले। इसके लिए सरकार पारदर्शी तरीके से फसलों पर होने वाली लागत–– फसल, बुवाई, खाद, बीज, कीटनाशी दवाएं, निराई, कटाई, निकलाई, भंडारण और ढुलाई की वास्तविक लागत निकलाई जाए। इस लागत पर स्वामीनाथन आयोग की अनुशंसा के अनुसार 50 प्रतिशत लाभ किसान को मिले,वह न्यूनतम समर्थन मूल्य तय हो। कृषि लागत निर्धारित करने वाले आयोग–कमेटियों में किसानों का कानून के अनुसार प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो। भजपा हो या कांग्रेस दोनों की सरकार रही है और दोनों नें अब तक इस मुद्दे को नहीं स्वीकार किया।

(2) लाभकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने मात्र से किसान का भला नहीं हो सकता। इस मूल्य से नीचे सरकारी व खुले बाजार में खरीदी नही हो, इसके लिए भी बाध्यकारी कानून की वर्षों से मांग किसानों की रही है। दोनों ही बड़ी पार्टियां अब तक इस से कन्नी काटती रही है।

(3) समय–समय पर किसानों को सलाह दी जाती रही है अधिक पानी की आवश्यकता वाली फसलें यथा गन्ना, गेंहू, धान आदि न बो कर, कम पानी वाली फसलें बोयें। कृषि का विविधीकरण हो। फल, सब्जी, मसाले आदि कोमर्सियल क्रॉप्स बोयें। सलाह सही है किंतु किसान पारम्परिक फसलों से हट कर हॉर्टिकल्चर या अन्य फसल पर जाएगा तो उसे उन्हें अपनाने में समय लगेगा, उसे इस अवधि में आय का नुकसान भी होगा। इस अवधि में पारम्परिक खेती से होने वाली आय व आय में अंतर को, कुछ समय के लिए कम्पनसेट करना आवश्यक है। इसके लिए यह भी आवश्यक है कि बड़े पैमाने पर 2–4 पंचायतों के मध्य,सरकार मॉडल फार्म्स तैयार करे। प्रत्यक्ष को क्या प्रमाण वाली उक्ति के अनुसार किसानों को फल–सब्जी–मसालों की खेती के लाभ दिखाए और उसके लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही व्यापक स्तर पर कृषि विभाग के अधिकारी–कर्मचारी कृषकों को समझाइश कार्यक्रम शुरू करें, जिनका अत्यंत अभाव है। दोनों ही बड़ी पार्टियों के पास इस सम्बंध में कोई स्पष्ट योजना नहीं है।

(3) किसानों की जोतें पारिवारिक विभाजनों के चलते काफी छोटी हो गई है व कई स्थानों पर बिखरी हुई है। इसके लिए व्यापक स्तर पर जोत एकीकरण कार्यक्रम शुरू किया जाना कृषि व कृषकों के हित में होगा। किसी भी राजनीतिक दल का इस सम्बंध में कोई स्पष्ट नीति नहीं है, जो होनी चाहिए।

(4) किसानों की मांग रही है कि जिस प्रकार सामान्य रुप से आवश्यक उपभोक्ता वस्तुओं के लिए मंहगाई सूचकांक निकाला जाता है, उसी प्रकार कृषि में प्रयुक्त ईनपुट्स का भी, तिमाही मंहगाई सूचकांक निकाला जाए और उसे लाभकारी न्यूनतम मूल्य के साथ जोड़ा जाए। सभी राजनीतिक दल इस पर मोन साधे है।

(4) किसानों की लंबे समय से मांग रही है कि खाद्य पदार्थों के आयात–निर्यात के लिए मात्रा और समय से सम्बंधित निर्णयों में किसानों, उनके संगठनों के माध्यम से भागीदारी की जाए, उनकी राय ली जाए। कई बार आयात ऐसे समय किय्या जाता है जिस से खुले बाजार में किसानों की फसलों भाव गिरते है।

(5) आवारा पशु पूरे ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के लिए सरदर्द बने हुए है। लगातार बढ़ते जा रहे है। सरकार चाहती है कि अवर पशुओं को रखने, देखभाल–खाने पीने का बंदोबस्त ग्रामीण ही करें। सरकार नमात्र सी सब्सिडी दे देगी। अगर आवारा पशुओं के लिये सरकारें इतनी दरियादिल है तो सरकारी बजट से,–– गोशालों के लिए भूमि, बाउंड्री, शेड्स व दैनिक चारे और पानी की व्यवस्था, देखभाल करने वालों की व्यवस्था की सारी व्यवस्था सरकार करे।

(6) ग्रामीणों के हित में, राजस्व कानूनों में संसोधन भी आवश्यक है। ग्राम पंचायत स्तर पर तहसील स्तर के कुछ अधिकार दे देने चाहिए यथा सीमा ज्ञान, रास्तों को विवाद, आपसी सहमति के बंटवारे व भूमि की अफल बदली आदि। उपखण्ड अधिकारी व उस से ऊपर के अधिकार भी एक एक नीचे के स्तर पर दे देने चाहिए जिस से न्याय के लिये ग्रामीणों को सुविधा हो।

(7) अनावृष्टि, अतिवृष्टि व प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की रक्षा करना बहुत जरूरी है। इसके लिए बीमा का प्रावधान तो है किंतु उसका क्रियान्वयन अत्यंत क्लिष्ट है। समय पर पारदर्शी तरीके से खराबा रिकार्ड नहीं होता और बीमा क्लेम या तो मिलता नही या खराबे की तुलना में अत्यंत कम मिलता है और देरी से तो मिलता ही मिलता है। तहसील–पंचायत समिति स्तर पर अधिकांशतः तो बीमा कंपनियों के कार्यालय–कर्मचारी हैं ही नही या दफ्तर बंद मिलते है। उनके कर्मचारी तो ढूंढने से भी नहीं मिलते। सेटेलाइट पिक्चर्स के आधार पर तुरंत खराब रिकार्ड करने की व्यवस्था इसमें सहायक हो सकती है। बीमा कंपनियों के लिए सेटेलाइट इमेजरीज के आधार पर खराबे अनुमान लगाना लाजमी किया जाए। स्वयं बीमा कम्पनी अपने स्तर पर गिरदावरी की पहल करे। देरी की स्थिति में अपने कर्मचारियों से करवाए। मौके की पटवारी गिरदावरी आवश्यक है किंतु यह तुरन्त करवाना बहुत जरूरी है ताकि क्लेम्स का भुगतान शीघ्र हो।

किसान जब ऋण लेता है तब एक फसल अंकित करवाता है किंतु मौषम की या खाद–बीज आदि की उपलब्धतता की परिस्थियों के अनुसार उसे दूसरी फसल बोनी पड़ती। इसके आधार पर बीमा क्लेम रिजेक्ट करने के मामले भी सामने आते हैं। यह अनुचित है। यदि मौके पर बोई ग़ज़ल के लिए प्रीमियम ज्यादा होता है तो अंतर राशि किसान से वसूल कर लें किन्तु खराबे का क्लेम रिजेक्ट करना घोर अन्याय है। अभी तक का अनुभव तो यह है कि कृषि बीमा करने वाली कम्पनियां बेलगाम हैं।

(8) कृषि से सम्बंधित निर्णय लेने वाले स्तरों पर कृषि विशेषज्ञ व ग्रामीण पृष्ठभूमि के अधिकारी लगाए जाएं। कई बार सरकारों द्वारा लिए जाने वाले फैसलों से लगता है कि कोई खेती–किसानी का जानकार आदमी ऐसे फैसले कैसे कर सकता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण तीन काले कृषि कानून थे। किसी नही पता आनन फानन में, बिना व्यापक चर्चा के, बिना संसद में बहस करवाए अध्यादेश किस इमरजेंसी के चलते लाए गए। इनका कोई औचित्य सरकार बता नही पाई और अंततः वापिस लेने पड़े। किसानों को दिल्ली पहुंचने से रोकने के लिए फूहड़ मध्यकालीन तरीके अपनाए गए और उनके शांतिपूर्ण आंदोलन को अनेक अशोभनीय विशेषणों से अलंकृत करने का असफल प्रयास किया गया। उपरोक्त के अतिरिक्त, किसानों, ग्रामीण क्षेत्रो के मुद्दे तो ओर बहुत सारे है। किसान दोनों बड़ी पार्टियों की गारंटियों व घोषणापत्रों को देख लें। उनकी समस्याओं पर उनमें क्या वादे किए जा रहे है और अब तक विभिन्न पार्टियों की सरकारों नें क्या दिया उन पर विचार कर ले। अब चुनाव के लिए मतदान का दिन आएगा। किसान भी वोट डालेगा। किसानों को निर्णय करना है कि वे अपने वर्ग हित को ध्यान में रख कर मतदान करें या जाती, रिश्तेदारी, अपने–पराए आदि छोटी–मोटी बातों को ध्यान में रख कर करे। किसानों, ग्रामीणों को यह स्मरण रखना चाहिए कि उनके हित–अहित के फैसले बनने वाली सरकार करेगी। इसलिए अपने प्रतिनिधि ऐसे व्यक्तियों को चुनें जो उनकी समस्याओं को समझते हैं, उन्हें विधान सभा और सरकार के समक्ष बिना डर–हिचक–निजी स्वार्थों से ऊपर उठ कर रख सकें। जिस भी पार्टी में ऐसे उम्मीद्वार हों उन्हें चुने। आनावयशयक पार्टियों के बन्ध कर मुसलों को धज्जा न बन्धें। मारवाड़ी शब्द है धुंधी, जिसका अर्थ है बिना विचार किए आवेग–आवेश में आकर जोर–सोर से कोई काम करना। इसलिए धुंधी चढा कर वोट मत डालना–सोच समझ कर, अपने बड़े हितों को ध्यान में कर डालना।

– महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

उम्मीदवारों को चुनाव के दौरान भीतरघात का डर क्यों सताता है

राजेन्द्र जोशी

विधानसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टी के उम्मीदवारों को अपनी ही पार्टी के समर्थको से भितरघात का इतना अधिक डर क्यों सता रहा है। अपने लोगों से जहां समर्थन की उम्मीद होती है वही अपने ही दल के लोगों से खतरा क्यों सताता है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। बड़े राजनैतिक दलो के उम्मीदवार विरोधियों से परेशान नहीं है, इस बात से अधिक दुखी है कि उनके अपने लोग पार्टी के साथ तो है लेकिन मुझ उम्मीदवार के लिए भरोसेमंद कितना रहेंगे, कहीं भितरघात ना कर दें। इसके विपरीत उम्मीदवार अपने दल के लोगों के बजाय दूसरी पार्टी के समर्थकों पर ज्यादा भरोसा रखते है। जबकि अपने लोगों से डर क्यों है, कभी राजनीतिक दलो के नेताओ ने इस पर विचार ही नहीं किया। कुछ लोग तो टिकट न मिलने के कारण खुद ही ताल ठोक देते हैं, वह तो स्पष्ट है, ऐसे में बहुत से समर्थक बगावत करके ताल ठोकने वाले के साथ हो जाते हैं। परंतु अधिकतर भितरघाति अंदर खाने दूसरी पार्टी के साथ चले जाते हैं, उन्हें पता है कि अपने वाले उम्मीदवार को हराने के लिए हमें जिताऊ के पास जाना चाहिए। यह समस्या किसी अकेली पार्टी में नहीं है बल्कि कांग्रेस और भाजपा दोनों में देखी जा सकती है।

भीतरघात का मुख्य कारण क्या है, कार्यकर्ता पूरे पांच साल अपने ही नेताओं से नाराज रहते हैं, ऐसे सक्रिय कार्यकर्ताओं का कहना तो यहां तक है कि हम हमारे नेताओ को जिताकर भेजते है और जीतने के बाद उनका व्यवहार बदल जाता है, उनके लिए परिवार के लोग अथवा विरोधी प्रमुख हो जाते है, हम पार्टी कार्यकर्ता से सामान्य नागरिक की तरह भी व्यवहार नहीं करते। नाराजगी तो उनकी तब बढ़ जाती है जब उनके सामने खुल्लम-खुल्ला विरोधी कार्यकर्ता अपना काम हमारे नेताओं से कराते हैं। हमारे नेता भी कार्यकर्ताओं का फोन तक नहीं उठाते और तो और पूरे पांच साल सरकार की ओर से बनाई जाने वाली समितियों में भी विरोधी दल के लोग स्थान प्राप्त कर जाते हैं। भीतरघात करने की मनसा कार्यकर्ताओं में एक दिन में नहीं हुआ करती। पांच साल कार्यकर्ता भीतर–भीतर परेशान रहकर ही भितरघात करते हैं। राजनैतिक दल और नेतागण चुनाव जीतने के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं की खबर नहीं लेते, कुछ कार्यकर्ताओं का तो यहां तक कहना है कि सत्ता में लगातार आ रहे नेता धीरे–धीरे पार्टी संगठन के भरोसे रहते भी नहीं, उन्होंने अपने परिवार और रिश्तेदारों को ही पार्टी और चुनाव की जिम्मेदारी सुपुर्द कर दी जिससे भितरघात बढ़ता जाता है और यही कारण है कि कार्यकर्ता निरंतर विचारधारा से विमुख होते जा रहे हैं।

– राजेन्द्र जोशी,
कवि–कथाकार

विद्यार्थियों ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली

बीकानेर, (निसं)। मतदाता जागरूकता के सतरंगी सप्ताह के पांचवे दिन सोमवार को मेजर पूर्ण सिंह राजकीय फोर्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय में युवा मतदाता रैली का आयोजन हुआ। इसमें विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के विद्यार्थी, एनसीसी, स्काउट, गाइड, एनएसएस से जुड़े विद्यार्थी और स्टाफ सदस्य मौजूद हुए। राजकीय फोर्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह भाटी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। यह रैली फोर्ट स्कूल से रवाना होकर राजीव गांधी मार्ग, अणचा बाई हॉस्पिटल, लेडी एल्गिन स्कूल, पुरानी जेल परिसर के आगे से होते हुए पुनः फोर्ट स्कूल में संपन्न हुई। रैली के दौरान 'वोट करेंगे, वोट करेंगे' के नारे लगाते हुए विद्यार्थियों ने आसपास के क्षेत्र को गुंजा दिया। 'नाचेंगे गायेंगे, वोट देने जाएंगे', 'एक दो तीन चार, लोकतंत्र की जय–जयकार' जैसे नारे लगाते हुए आम जन को मतदान के प्रति जागरूक किया। निर्वाचन आयोग की ओर से सतरंगी सप्ताह के पांचवें दिन के कार्यक्रम पीले रंग की थीम और स्लोगन 'मताधिकार का उपयोग करेंगे, वोट करेंगे, वोट करेंगे' के साथ आयोजित हुए। डीईओ भाटी ने विद्यार्थियों से शत–प्रतिशत मतदान के लिए आम लोगों को जागरूक करने का आव्हान किया। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार कम मतदान वाले क्षेत्रों के लिए हेला टोली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान स्थल तक लाने की प्रक्रिया भी बताई। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी सुनील बोड़ा ने हेला टोली से जुड़े विद्यार्थियों को मतदान समयावधि में सजग रहने की अपील की। इससे पहले माने खां एण्ड पार्टी से जुड़े कलाकारों ने कठपुतली के माध्यम से विद्यार्थियों को मतदान के महत्व के प्रति जागरूक किया एवं चुनाव आयोग की ओर से तैयार किए गए विभिन्न ई–टूल्स और उनके कार्यों के बारे में गीतों के माध्यम से जानकारी दी। जागरूकता रैली में मैं भारत हूं चिरमी जैसे गीत भी मतदाता जागरूकता रथ में पूरे रास्ते बजते रहे। इस अवसर पर सहायक निदेशक भैरुसिंह राठौड़, ओम प्रकाश गोदारा, प्रिंसिपल मंजू वर्मा, अंशु माला गोदारा, संजय सांखला, सुभाष जोशी आदि मौजूद रहे। सतरंगी सप्ताह के छठे दिन मंगलवार को जिले के समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों में महिला रंगोली और महिला मार्च कार्यक्रम होंगे। जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी तथा स्वीप प्रभारी नित्या के. ने बताया कि जिला स्तर पर यह कार्यक्रम कलेक्ट्रेट परिसर में होगा। जहां ऑरेंज कलर थीम तथा 'वोट करूंगी तभी तो बढूंगी' स्लोगन के साथ महिलाओं द्वारा शत प्रतिशत मतदान कासंदेश दिया।

राशिफल मंगलवार 21 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, मंगलमवार, विक्रम संवत 2080, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 8:01 तक, व्याघात योग सांय 5:40 तक, बालव करण दिन 2:13 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृश्चिक, चन्द्रमा–कुम्भ, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–मेष, शुक्र–कन्या, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

रवियोग रात्रि 8:11 से आरम्भ होगा। कुमार योग रात्रि 1:01 से आरम्भ होगा। आज आंवला नवमी, अक्षय कुष्माई नवमी, श्री हरि जयन्ती, कृत युगादि, जमंधात्री पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:34 से 10:53 तक, लाभ–अमृत 10:53 से 1:72 तक, शुभ 2:51 से 4:11 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:55, सूर्यास्त 5:30

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा।

मिथुन
नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक/वित्तीय कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
स्वास्थ्य में सुधार होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
घर–परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच–विचार हो सकता है और उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिककार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

राजनैतिक दलों को आदर्श आचार संहिता की करनी होगी पालना

श्रीगंगानगर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के दौरान भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार केन्द्र या राज्य सरकार के मंत्री बतौर अभ्यर्थी या मतदाता या प्राधिकृत अभिकर्ता की हैसियत के अतिरिक्त किसी मतदान केन्द्र या मतगणना के स्थान में प्रवेश नहीं करेंगे।

जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि चुनाव के दौरान निर्धारित आदर्श आचार संहिता की पालना सभी राजनैतिक दलों व उम्मीदवारों को करनी चाहिए। निर्वाचन के संबंध में निर्वाचन सभाएं आयोजित करने के लिये मैदानों इत्यादि जैसे सार्वजनिक स्थानों और हवाई जहाजों के लिये हेलीपेड्स के उपयोग पर किसी का एकाधिकार नहीं होगा।

आदर्श आचार संहिता चुनावों में निर्वाचन लड़ने वाले दलों और अभ्यथिर्यों को समान अवसर प्रदान करने का सुनिश्चय करने के लिये और यह भी देखने के लिये कि निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल दल भ्रष्ट न हो जाये, निर्वाचन आयोग पहले भी आदर्श आचार संहिता के अधीन अनुदेश जारी करता रहा है। संविधान का अनुच्छेद 324 है, जो आयोग को स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपता है।

लोकप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 के अधीन निर्वाचन के घोषणा पत्र के प्रतिज्ञाओं को भ्रष्ट आचरण नहीं समझा जा सकता, इस वास्तविकता की उपेक्षा नहीं की जा सकती कि किसी भी प्रकार के मुफ्त उपहारों का वितरण नि:संदेह लोगों को प्रभावित करता है, यह स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचनों की जड़ों को काफी हद तक हिला कर रख देता है। निर्वाचन घोषणा राजनैतिक दलों द्वारा उद्घोषणा पत्र में यह स्पष्ट किया जाना अपेक्षित है कि उनके प्रोग्राम, नीतियां एवं वादे आदर्श आचार संहिता में वर्णित आधारों के अनुरूप है। यदि किसी अभ्यर्थी द्वारा भी अपना स्वयं का चुनावी घोषणा पत्र जारी किया जाता है तो उनके द्वारा भी इन निर्देशों की अनुपालना किया जाना अपेक्षित है।

पुरुष नसबंदी पखवाड़ा आज से शुरू होगा

श्रीगंगानगर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से नसबंदी में पुरुषों का योगदान बढ़ाने के लिए 21 नवंबर से पुरुष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जाएगा। 'स्वस्थ मां, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा' पखवाड़े की थीम रहेगी। मंगलवार से शुरु होने वाला यह पखवाड़ा चार दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान पहले सप्ताह में मोबिलाईजेशन सप्ताह व दूसरे में सेवा वितरण सप्ताह मनाया जाएगा। सोमवार को एसीएमएचओ डॉ. मुकेश मेहता की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की जिसमें डीपीएम विपुल गोयल, नकुल शेखावत, डीएसी रायसिंह सहारण, सीओआईईसी विनोद बिश्रोई, प्रशांत कुमार व एसओ राजीव शर्मा आदि मौजूद रहे।

सीएमएचओ डॉ. गिरधारी लाल मेहरड़ा ने बताया कि राज्य में परिवार कल्याण सेवाओं में अपेक्षित प्रगति एवं महत्वपूर्ण संकेत उच्च प्रजनन दर 2.0 प्राप्त करने के बाद अभी भी महिलाएं परिवार नियोजन की जिम्मेदारी प्रमुख रूप से उठाती है, जबकि परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी बराबर होनी चाहिए। ऐसे में पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने एवं नसबंदी के तरीकों जैसे पुरुष नसबंदी व कंडोम के उपयोग को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों के क्रम में 21 नवंबर से पुरुष नसंबदी पखवाड़ा शुरू किया जाएगा। मोबिलाईजेशन सप्ताह 21 से 27 नवंबर तक चलेगा जिसमें जागरूकता पैदा की जाएगी, वहीं 28 नवंबर से चार दिसंबर तक सेवा वितरण सप्ताह चलेगा जिसमें नसबंदी शिविर, कंडोम वितरण आदि के साथ अन्य परिवार कल्याण संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। एसीएमएचओ डॉ. मेहता ने बताया कि पहले चरण में स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर दस्तक देंगे।

क्यूआर कोड वाली मिलेगी मतदाता स्लिप

बज्जू , (कासं)। प्रदेश में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को फोटोयुक्त पर्ची की जगह इस बार क्यूआर कोड वाली वोटर स्लिप दी जा रही है। इसे स्कैन करते ही विधानसभा क्षेत्र और मतदान केन्द्र का सभी ब्योरा मिलेगा। इससे मतदाताओं को मतदान केंद्र खोजने के लिए भी भटकना नहीं पड़ेगा। बीएलओ ने यह पर्ची घर-घर बांटना शुरू कर दी है। निर्वाचन विभाग की ओर से 80 साल से ज्यादा आयु के बुजुर्ग और दिव्यांगों को होम वोटिंग की सुविधा के बाद क्यूआर कोड वाली वोटर स्लिप पहली बार दी जा रही है। मतदाताओं को वोटर स्लिप वितरित करने का कार्य शुरू हो गया है।

शव मिलने से मचा हडक़ंप

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के दंतौर पुलिस थाना क्षेत्र में कई दिन पुराना तथा सड़ी गली अवस्था में शव मिलने के बाद हडक़ंप मच गया। दंतौर में केएचएम नहर की 100 आरडी के निकट एक व्यक्ति का शव मिला है। इस आशय की रिपोर्ट कालूराम बावरी ने थाने में दी है। रिपोर्ट में बताया कि सड़ी गली अवस्था में मिले अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। इसकी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। शव कई दिन पुराना बताया जा रहा है तथा बुरी तरह से सड़ गल गया है। जिसकी वजह से आसपास का वातावरण प्रदूषित हो गया है।

पेंशनर इंजिनियर्स सोसायटी ने मनाया दीपावली स्नेह मिलन

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान पेंशनर इंजिनियर्स सोसायटी बीकानेर द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह इंजी.वी.एस.शर्मा की अध्यक्षता में अग्रवाल चेतना समिति भवन, जय नारायण व्यास कॉलोनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश जी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवम् इंजी. सपन कुमार के द्वारा गणेश वन्दना की प्रस्तुति के साथ किया गया।

सोसायटी के महासचिव इंजी. सैय्यद कासम अली ने अन्तस के उजास का प्रतीक दीपावली की महत्ता बताते हुए कहा कि प्रकाश पर्व दीपावली अपने मे ना जाने कितने आदेश, शिक्षा और प्रतीक समेटे हुए है।

घुप्प अंधेरी रात में दीप जलाकर हम बाहर के अंधेरे को दूर कर देते है, लेकिन इससे ज्यादा महत्व है मन के अंधकार, अज्ञानता, बुराइयों को दूर कर एवम् अपने जीवन,समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान देना है, इसी मे पर्व की सार्थकता ओर अधिक बढ़ जाती है। सोसायटी के संरक्षक इंजी. एम. के. गुप्ता ने सोसायटी के उद्देश्यों एवम् सोसायटी द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों पर विस्तार से जानकारी दी।इस अवसर पर इंजी. मोहनलाल बवेजा, इंजी.के.के.सोनी, इंजी. के.एल.जाखड़, इंजी. अरुण कुमार पाण्डे एवं श्रीमती मधु पाण्डे, इंजी. सपन कुमार, इंजी. ए.पी.शर्मा एवं श्रीमती उर्मिला शर्मा, इंजी.एम.एम.मूंधड़ा, इंजी. जावेद मिर्जा, इंजी. किशन धवल, इंजी. विशंभर दास डांग, इंजी.टी.आर.गर्ग ने भजन एवं फिल्मी गीतों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता 25 दिसंबर से

बीकानेर,(कासं)। 67वीं राष्ट्रीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिता वेटलिफ्टिंग 19 वर्ष (छात्र-छात्र) एवं सॉफ्टबॉल 17 वर्ष आयुवर्ग (छात्र-छात्रा) का आयोजन 25 दिसंबर से 31 दिसंबर तक बीकानेर में होगा। जिला कलक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिता में 28 राज्य व 8 केंद्रशासित प्रदेश एवं केंद्रीय संगठन विद्यालय टीम शामिल होंगी।

इस खेलकूद प्रतियोगिता की तैयारियों के? संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिला कलेक्टर ने यह जानकारी दी। उन्होंने प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु विभिन्न समितियां का गठन करने को कहा। जिला कलक्टर ने खिलाडियों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने तथा टीम आवागमन के लिए यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। प्रतियोगिता के दौरान सभी खेल स्थलों पर पेयजल, छाया एवं बैठने की व्यवस्थाएं सुनिश्चत करने के भी निर्देश दिए।

भगवती प्रसाद कलाल ने कहा कि प्रतियोगिता के आयोजन से पहले नगर निगम प्रशासन शहर के अलावा खेल मैदान की सफाई, आवास स्थल व अन्य व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। प्रतियोगिता के दौरान खिलाडियों की चिकित्सा व्यवस्था के लिए डॉक्टर टीम और एंबुलेंस की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि वेटलिफ्टिंग 19 वर्ष आयुवर्ग में छात्र एवं छात्राओं की कुल संख्या 690 तथा सॉफ्टबॉल 17 वर्ष आयुवर्ग में छात्र एवं छात्राओं की कुल संख्या 1 हजार 235 संभावित हैं। उन्होंने बताया कि खिलाडियों के लिए आवासीय भवन चिन्हित किए गए हैं। भाटी ने बताया कि वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह पुष्करणा स्टेडियम एवं सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह डॉ करणी सिंह स्टेडियम में होना प्रस्तावित हैं।

मतदान प्रतिशत का इनकोर पोर्टल पर इन्द्राज होगा

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा आम चुनाव-2023 के दौरान 25 नवम्बर को होने वाले मतदान दिवस के दिन प्रत्येक दो घंटे में मतदान प्रतिशत इनकोर पोर्टल पर अद्यतन किया जायेगा।

जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि विधानसभा आम चुनाव 2023 में संभावित मतदान प्रतिशत का प्रदर्शन इनकोर पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक दो घंटे में प्रात: 9 बजे, 11 बजे, दोपहर 1 बजे सायं 3 बजे, 5 बजे और सायं 7 बजे अपडेट करना होगा। विधानसभाओं के रिटर्निंग ऑफिसर स्तर से इनकोर पोर्टल पर निर्धारित समयानुसार सूचनाओं का इन्द्राज किया जाना है।

पुष्पांजली कार्यक्रम कल

बीकानेर, (कासं)। सादूल राजस्थानी रिसर्च इंस्टीट्यूट बीकानेर के तत्वावधान में इटली मूल के राजस्थानी भाषा के शोधार्थी डॉ. एल. पी. तैस्सितोरी की 104वीं पुण्यतिथि का आयोजन बुधवार को किया जाएगा।

पटाखों के उपयोग एवं आतिशबाजी पर प्रतिबंध हेतु निषेधाज्ञा लागू

बीकानेर, (कासं)। जिला मजिस्ट्रेट भगवती प्रसाद कलाल ने दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के संपूर्ण (नगरीय और ग्रामीण) क्षेत्र में पटाखों के उपयोग एवं आतिशबाजी पर प्रतिबंध हेतु निषेधाज्ञा लागू की है। इस संबंध में जारी आदेशानुसार प्रधानमंत्री की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा के दौरान किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के समूह के द्वारा पटाखों के उपयोग एवं आतिशबाजी से कानून व्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं, इसके मध्यनजर कानून व्यवस्था और लोक शांति बनाए रखने के लिए यह निरोधात्मक कार्यवाही की गई है।

मतदान के बाद स्ट्राँग रूम सील होगा व लॉगबुक संधारित होगी

श्रीगंगानगर, (कासं)। विधानसभा आम चुनाव-2023 के दौरान मतदान के पश्चात ईवीएम को सुरक्षित स्ट्राँग रूम में सील करने का कार्य संबंधित आरओ द्वारा चुनाव पर्यवेक्षक की उपस्थिति में किया जायेगा।

जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने गंगानगर क्षेत्र की विधानसभाओं के आरओ को निर्देशित किया है कि स्ट्राँग रूम सील के समय वहां कोई उम्मीदवार या चुनाव अभिकर्ता उपस्थित है, तो सील के उपरांत वह अपनी कोई सील लगवाना चाहे तो ऐसा कर सकता है, इस आशय की लिखित सूचना सभी चुनाव लड़ने वाले अभ्यथिर्यों को आरओ द्वारा यथा समय दी जाकर पावती ली जायेगी। स्ट्राँग रूम सील करने की वीडियोग्राफी भी करवाई जायेगी। प्रत्येक स्ट्राँग रूम

- लगातार 24 घंटे सुरक्षा व्यवस्था में रहेगी ईवीएम

की एक अलग लॉगबुक रखी जायेगी, जिस पर आरओ द्वारा सील करने का समय एवं तारीख लगाई जायेगी तथा लगाये गये सुरक्षा प्रभारी के हस्ताक्षर भी करवाये जायेंगे।

25 नवम्बर को मतदान के पश्चात स्वर्गीय गुरूशरण छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय सूरतगढ़ एवं सेठ बिहारी लाल छाबड़ा राजकीय महाविद्यालय अनूपगढ़ में ईवीएम मशीन संग्रहण पश्चात इन महाविद्यालयों में निर्धारित अस्थाई स्ट्राँग रूम से ईवीएम एवं संबंधित सामग्री मतदान दिवस को ही संबंधित आरओ व एआरओ द्वारा पुलिस अभिरक्षा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर में संबंधित विधानसभाओं हेतु निर्धारित स्ट्राँग रूम में रखवाई जायेगी, जिसकी सम्पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था 24 घंटे सातों दिन भारत निर्वाचन आयोग व निर्वाचन विभाग राजस्थान द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार करवाई जायेगी।

ईवीएम संग्रहण की तिथि से लेकर मतगणना पूर्ण होने तक राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को ईवीएम स्ट्राँग रूम की सुरक्षा व्यवस्था अवलोकन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं संबंधित आरओ द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। संबंधित आरओ व प्रभारी ईवीएम इस संबंध में निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। ईवीएम संग्रहण स्थल पर जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा विद्युत व्यवस्था के लिये उतरदायी होंगे।

संग्रहण संबंधी विभिन्न व्यवस्था चिन्हित करने के लिये कार्ड सीट एवं अन्य चुनाव संबंधी कार्य दर्शाने वाले बैनर एवं साइनेज व्यवस्था हेतु डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर के लिये अधीशाषी अभियंता पीडब्लूडी द्वारा करवाई जायेगी। चुनाव सामग्री संग्रहण स्थल पर वाहन स्थल पर टेंट, फर्नीचर, साउंड सिस्टम, शौचालय आदि की समस्त व्यवस्थाएं प्रभारी अधिकारी सामान्य व्यवस्था प्रकोष्ठ द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। संग्रहण स्थल पर चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

प्रदेश में 30 साल की परम्परा टूटेगी और कांग्रेस की सरकार बनेगी : पायलट

चाकसू में कांग्रेस प्रत्याशी सोलंकी के समर्थन में सचिन पायलट ने जनसभा की

चाकसू, (निसं)। पूर्व पीसीसी चीफ सचिन पायलट ने सोमवार को चाकसू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी विधायक वेदप्रकाश सोलंकी के समर्थन में चाकसू कस्बे के टोंक रोड के सामने स्थित दरगाह मैदान में जनसभा को संबोधित किया।

इस दौरान उन्होंने लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी सोलंकी को जिताने की अपील की। भाषण के दौरान पायलट ने भाजपा और केंद्र मोदी सरकार पर भी जमकर हमला बोला। इस से पूर्व पायलट का 51 जेसीबी व 51 किलो की माला से भव्य स्वागत किया गया। युवाओं ने पायलट आई लव यू के नारे भी लगाए। इस दौरान पायलट को सुनने के लिए लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। जिससे सभा स्थल भी छोटा पड़ गया।

सचिन पायलट का 51 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया।

- सचिन पायलट ने लोगों से कांग्रेस प्रत्याशी वेदप्रकाश सोलंकी को जिताने की अपील की
- भाषण के दौरान पायलट ने भाजपा और केंद्र की मोदी सरकार पर भी जमकर हमला बोला

पायलट ने कहा कि अब चुनाव में दो-चार दिन रह गए हैं, वेदप्रकाश सोलंकी ने अपने कार्यकाल के कामकाज के बारे में खूब बता दिया है, मैं तो आपसे अनुरोध करने आया हूं राजस्थान में सरकार सिर्फ दो ही पार्टीयों की बनती है भाजपा की या कांग्रेस की। मैं यह बात इसलिए बोल रहा हूं कि बहुत सारे दल, लोग चुनाव लड़ते और बहुत सारे भाषण देते हैं। वे दल और लोग ऐसा जीतने के लिए नहीं करते हैं वे सिर्फ वोट काटने के लिए चुनाव लड़ते हैं। जो भी हमारे साथी हैं उनका स्वागत है। आप समझदार लोग हो। आपको अपना वोट खराब नहीं करना है। दो पार्टीयां हैं भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों का आंकलन करो नीतियों का नियत का और नेतृत्व का।

पायलट ने कहा कि राहुल गांधी प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूरे प्रदेश में प्रचार कर रहे हैं और चुनौतियां दे रहे हैं 30 साल की परंपरा टूटेगी और कांग्रेस पार्टी की सरकार बनेगी। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में वोट पड़ गए हैं दोनों राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है। सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा नेता डलब इंजन की सरकार की बात करते हैं। हिमालच और कर्नाटक में भाजपा का एक-एक इंजन सीज हो गया था। जो नेता यहां मंडरा रहे हैं, वो वहां भी खूब प्रचार कर रहे थे। लेकिन, जीत कांग्रेस पार्टी की हुई। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आप 25 नवंबर को कांग्रेस का बटन दबाओ, अगले साल दिल्ली वाला इंजन भी सीज कर देंगे। चाकसू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी वेद प्रकाश सोलंकी हर परिस्थिति में जबान के पक्के और सभी के सुख दुख के साथी रहे हैं आप आप लोग मेरे साथ सोलंकी को भी जिताकर विधानसभा भेजिए। पायलट के भाषण से पहले विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने कहा कि जो काम 20 साल में नहीं हुए वे सभी काम 36 कोमों को साथ में लेकर पांच साल में करके दिखा दिया।

दुष्कर्म पीड़िता ने आत्महत्या की

परिजन सहित ग्रामीण थाने में धरने पर बैठे

चाकसू, (निसं)। कोटखावदा थाना क्षेत्र के एक गांव की एक दुष्कर्म पीड़िता के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। वहीं दुष्कर्म पीड़िता की आत्महत्या करने के समाचार कस्बे में फैलने के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मामले में परिजनों सहित अन्य लोग कोटखावदा में धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद भी न्याय नहीं मिलने पर सोमवार की शाम को आत्महत्या कर ली, जिससे परिजनों ने पीड़िता के शव को पुलिस थाने में रखकर ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठ गए।

- कांग्रेस, भाजपा व आरएलपी के प्रत्याशी भी ग्रामीण क्षेत्र में जनसम्पर्क कार्यक्रम को बीच में ही छोड़कर धरना स्थल पर पहुंचे
- लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि पुलिस में मामला दर्ज होने के बाद भी न्याय नहीं मिलने पर पीड़िता ने आत्महत्या कर ली

पीड़िता की आत्महत्या की खबर के बाद कांग्रेस प्रत्याशी वेदप्रकाश सोलंकी, भाजपा के रामवतार बैरवा व आरएलपी के विकेश खोलिया भी ग्रामीण क्षेत्र में जनसम्पर्क कार्यक्रम को बीच में ही छोड़कर धरना स्थल पर पहुंच गए और पीड़िता के परिजनों को ढांढस बंधवाया। इस दौरान आरएलपी के खोलिया ने कोटखावदा थाना प्रभारी सीताराम खोजा को जमकर आड़े हाथों लेते हुए खरी-खोटी सुनाई। मौके पर कोटखावदा प्रधान प्रहलाद मीना, सरपंच मक्खन बड़गुर्जर भी परिजनों के साथ धरने पर बैठे हुए थे। ग्रामीण पुलिस मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे।

जानकारी के अनुसार पीड़ितों की आवाज उठाने वाले डॉ. किरोड़ी लाल मीना की कल ही कोटखावदा में जनसभा थी उसके दूसरे दिन ही एक बड़ी घटना हो गयी जिसकी क्षेत्र में चर्चा है। देर शाम तक मौके पर ग्रामीण बैठे हुए थे। इस दौरान पुलिस पुलिस विभाग के उच्च अधिकारी भी मौके पर जमे हुए हैं।

युवती का बदमाशों ने अपहरण किया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में बीती रात गाड़ी में सवार होकर आए बदमाश एक युवती को गाड़ी में डाल ले गए। पीड़ित पिता ने युवती के साथ दुष्कर्म होने का अंदेशा जताया है। मामला छत्तरगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र का है। इस आशय की रिपोर्ट पीड़ित पिता ने छत्तरगढ़ थाने में दी है। मामले में तीन जनों को नामजद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक पीड़ित पिता ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि 17 नवम्बर की रात को उसकी बेटी को आरोपी गाड़ी में डालकर अपहरण कर ले गए। पीड़ित पिता ने युवती के साथ दुष्कर्म व सामूहिक दुष्कर्म होने का अंदेशा जताया है। यही नहीं पिता ने युवती की हत्या करने की भी आशंका जताई है। पुलिस ने पीड़ित पिता की रिपोर्ट के आधार पर आरोपी आनन्द नायक पुत्र राजूराम, रुपाराम पुत्र त्रिलोकाराम व राजूराम पुत्र पूर्णाराम के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

भीनमाल सीट पर पूराराम चौधरी का जनसभाओं में विरोध

भीनमाल के बिजलीया ग्राम में भाजपा प्रत्याशी पुराराम चौधरी के खिलाफ ग्रामीणों ने नारेबाजी की।

भीनमाल, (निसं)। भीनमाल से भाजपा प्रत्याशी पूराराम चौधरी की चुनावी सभाओं में "मोदी तुझसे बैर नहीं पूराराम तेरी खैर नहीं" के नारे लगे। लोगों ने विधायक से 15 साल का हिसाब मांगा व प्रत्याशी मुर्दाबाद के नारे लगाये गये।

भीनमाल विधानसभा क्षेत्र में इन दिनों विधानसभा चुनावों को लेकर प्रत्याशी जीतने के लिए ऐडी चोटी का जोर लगा रहे है लेकिन वहीं दूसरी तरफ भाजपा प्रत्याशी पूराराम चौधरी की जनसभाओं में मोदी तुझसे बैर नहीं पूराराम तेरी खैर नहीं के नारे लग रहे है। ज्ञातव्य रहे कि पिछले 15 साल से भीनमाल विधानसभा सीट पर पूराराम चौधरी के लगातार जीतने के बाद इस बार चुनावी जनसभाओं में उनके प्रति विरोध के स्वर मुखर हो रहे हैं। कई जगहों पर ग्रामीणों की ओर से विधायक पूराराम को 15 साल में करवाए गए विकास को लेकर सवाल पूछे जा रहे हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर बागोडा क्षेत्र के बिजलीया गांव की जनसभा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक शख्स भाजपा प्रत्याशी पूराराम चौधरी से कह रहा है कि "नरेन्द्र मोदी से हमारा बैर नहीं पूराराम तेरी खैर नहीं।"

- भीनमाल में "मोदी तुझसे बैर नहीं, पूराराम तेरी खैर नहीं" के गूंज रहे नारे
- इसका सोशल मीडिया पर बागोडा क्षेत्र के बिजलीया गांव की जनसभा का एक वीडियो वायरल

उसने कहा कि आपने पिछले 15 साल में हमारे गांव बिजलीया में क्या विकास करवाया है। उसका जवाब दो हमें। इस पर जनसभा को सम्बोधित करते भाजपा प्रत्याशी पूराराम शख्स को साइड में आकर विकास के कार्य गिनवाने की धमकी दे रहे है। इसके बाद जनसभा का माहौल गरमा गया। भाजपा प्रत्याशी के साथ आए कार्यकर्ताओं ने भी उस शख्स को धमकाया। इसके बाद माहौल गरमा गया और ग्रामीणों के साथ हाथापाई तक की कोशिश भी हो गई और फिर ग्रामीणों ने पूराराम मुर्दाबाद के नारे लगाना शुरू कर दिया। शख्स कहता है कि सवाल तो करेंगे ही उसका जवाब भी मांगेंगे। इसके लिए हथापाई करनी है तो हम तैयार है। हालांकि हम वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करते है।

हथियारों का जखीरा पकड़ा, दो गिरफ्तार

क्षेत्र के गांव डोमई में कार्रवाई को अंजाम दिया

धौलपुर (निसं)। धौलपुर जिले की सरमथुरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध हथियारों का जखीरा पकड़ा है। साथ ही अवैध हथियार ले जाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से एक टुपियाई बंदूक, एक 315 बोर सिंगल शॉट बंदूक, एक पोना व दो कारतूस भी बरामद किए हैं।

थाना प्रभारी कृपाल सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार देर रात सरमथुरा थाने के कांस्टेबल चेतन सिंह की सूचना पर कार्यवाही को अंजाम दिया गया। जहां क्षेत्र के गांव डोमई मंदिर से 40 वर्षीय आरोपी ल्होरे पुत्र गंगाराम कोली निवासी गांव डोमई सरमथुरा को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे एक टुपियाई बंदूक जब्त की। वहीं अन्य 67 वर्षीय आरोपी रामखिलाडी पुत्र हजारी मीना निवासी गांव डोमई सरमथुरा को भी पकड़ लिया। जिसके कब्जे से एक बंदूक, एक पौना एवं दो जिंदा कारतूस भी जब्त किए हैं।

थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उनके कब्जे से हथियारों को भी जब्त कर लिया गया। दोनों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। इस दौरान कार्रवाई पुलिस टीम में थाना प्रभारी के साथ एएसआई जगदीश प्रसाद, कांस्टेबल हरेन्द्र, चेतन सिंह आदि शामिल रहे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुशील शर्मा भाजपा में शामिल

करौली, (निसं)। करौली विधानसभा का चुनाव रोचक होता जा रहा है। मंगलवार को कांग्रेस को एक बड़ा झटका लगा और वरिष्ठ नेता सुशील शर्मा कांग्रेस को छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। जिनका सांसद सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। करौली विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे करौली के पूर्व विधायक दर्शन सिंह गुर्जर कांग्रेस पार्टी से थे लेकिन उनको पार्टी द्वारा टिकट नहीं दिए जाने पर उन्होंने भाजपा का दामन थाम लिया। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी कुछ कमजोर हुई। पूर्व विधायक दर्शन सिंह गुर्जर को भाजपा ने टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया। कांग्रेस में दर्शन सिंह गुर्जर से जुड़े लोग असमंजस की स्थिति में आ गए कि अब पार्टी का क्या करें नेता तो भाजपा में चला गया लेकिन अब धीरे-धीरे लोगों का रुझान भाजपा की ओर होता दिखाई दे रहा है।

लाखों की स्मैक के साथ एक महिला गिरफ्तार

देवली, (निसं) निकटवर्ती हनुमान नगर थाना पुलिस ने लाखों रुपए कीमत की स्मैक के साथ एक महिला को गिरफ्तार किया है। मामला यह सामने है कि चुनावी दौरान हनुमान नगर थाना पुलिस क्षेत्र में वाहनों की तलाशी कर रही थी कि इसी दौरान हनुमान नगर थाना पुलिस ने रोडवेज बस की तलाशी ली। बस की तलाशी लिए जाने के दौरान पुलिस जब बस में बैठी एक महिला के पास पहुंची ही तभी उक्त महिला पुलिस को देखकर घबराई और बस से उतरने लगी। पुलिस को संदिग्ध महिला पर शक हुआ।

आरोपी महिला तस्कर

इस दौरान पुलिस अधिकारी ने महिला कांस्टेबल को उक्त महिला की तलाशी लिए जाने के आदेश दिए। महिला कांस्टेबल ने संदिग्ध महिला की तलाशी लेना शुरू किया तभी उक्त महिला के पास से 110 ग्राम स्मैक पुलिस ने बरामद की जिसकी कीमत लगभग 20 से 22 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्मैक को जब्त कर महिला को गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस की पूछताछ में महिला का नाम सरोज सामने आया है। पुलिस ने लगभग 20 से 22 लाख रुपए की स्मैक बरामद कर महिला को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी।

महिला तस्कर से पूछताछ में जुटी पुलिस

भीलवाड़ा, (निसं)। शाहपुरा जिले की हनुमान नगर थाना पुलिस ने रविवार शाम एक महिला तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से एक करोड़ रुपए मूल्य की 110 ग्राम स्मैक बरामद की है। पुलिस महिला से तस्करी नेटवर्क से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाने में लगी है।

आगामी विधानसभा चुनाव के मध्यनजर अवैध मादक पदार्थों और वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए क्राइम ब्रांच की टीम प्रदेश के अलग-अलग शहरों में भेजी गई है।

- एक करोड़ की स्मैक बरामद कर महिला को गिरफ्तार किया था

इनपुट सूचना के आधार पर हनुमान नगर थाना पुलिस को सूचित किया। इस पर थाना पुलिस की टीम ने नेशनल हाईवे 12 पर हनुमान नगर तिराहे पर नाकाबंदी के दौरान जयपुर निवासी महिला तस्कर सरोज कंवर पत्नी रविंद्र सिंह 57 को हिरासत में लिया। महिला के पास से 110 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में क़ीमत एक करोड़ रुपये बताई गई है।

प्रारंभिक पूछताछ में महिला ने अकलेरा से स्मैक लेकर जयपुर निवासी मनोज शर्मा व सीमा शर्मा के लिए लाना बताया है। तस्करों ने नशे के कारोबार के लिए अधेड़ उम्र महिला को भेजा जिससे पुलिस को शक ना हो। पुलिस ने स्मैक जब्त कर महिला तस्कर सरोज को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया।

सूर्यकांता व्यास की तबियत नाजुक

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर से बीजेपी की विधायक सूर्यकांता व्यास की अब तबियत नाजुक होने के चलते एमडीएम हॉस्पिटल से एम्स रैफर किया गया है। जीजी के हार्ट और किडनी के इन्फेक्शन बताया जा रहा है। फिलहाल एम्स के डॉक्टरों की टीम जीजी के स्वास्थ्य की जांच कर रही है।

- एमडीएम हॉस्पिटल से एम्स में किया रैफर

जानकारी के अनुसार सूरसागर क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की विधायक सूर्यकांता व्यास को रविवार को अचानक तबियत बिगड़ने के चलते जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल में लाया गया था। उनके हार्ट और किडनी में प्रॉब्लम होने की वजह से एडमिट किया गया था। यहां पर डॉक्टरों ने जांच के बाद इलाज शुरू किया था लेकिन आज तबीयत नाजुक होने के चलते उन्हें अस्पताल से एम्स रेफर किया गया है। इधर जीजी के शुभचिंतक और कार्यकर्ताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की मंगल कामना की है।

सूर्यकांता व्यास 1990 से लेकर अब तक लगातार सात बार विधायक का चुनाव लड़ चुकी है। जिसमें से 6 बार चुनाव जीती है। वह तीन बार जोधपुर शहर और तीन बार सूरसागर सीट से विधायक रही। इस बार उनकी जगह सूरसागर सीट से देवेंद्र जोशी को भारतीय जनता पार्टी ने इस विधानसभा चुनाव में टिकट दिया है।

राजस्थान की कांग्रेस सरकार हर मोर्चे पर विफल : सबिंत पात्रा

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबिंत पात्रा ने प्रदेश की गहलोत सरकार पर हमला बोला

अजमेर, (कासं)। राजस्थान में चुनावी सरगर्मियां तेज हो चुकी है तथा आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज गति से चल रहा है। इसी के तहत सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबिंत पात्रा ने प्रदेश की गहलोत सरकार जमकर हमला बोला। उन्होने पत्रकार वार्ता में कहा कि राजस्थान के बारे में जब चुभने वाले विषय उठते है तो दर्द होता है।

सबिंत पात्रा ने कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि, शहीदों की भूमि है, महिला स्वाभिमान के लिए न्यौछावर होने वाले इस राज्य में महिला अत्याचारों के मामले में राजस्थान इस समय पहले नम्बर है। रेप केस के मामले में राजस्थान पहले नम्बर है। अजमेर संभाग के लाडंनू और पुष्कर में गैंगरेप के जो मामले हुए है, उसमें एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। पेपरलीक जैसी घटनाएं घटित हुई है। लाखों पढे लिखे बेरोजगार युवक-युवतियों के साथ नाइंसाफी हुई है।आरपीएससी जैसी संवैधानिक संस्थाओं में पैसे देकर सदस्य बनाए जाएगें तो पेपर लीक जैसी घटनाएं होना स्वभाविक है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सबिंत पात्रा ने पत्रकार वार्ता को संबोधित किया।

राजस्थान की कांग्रेस ने तुष्टिकरण की नीति के अलावा कुछ नही किया है। उन्होंने कहा कि इकबाल की मौत पर कांग्रेस पचास लाख रूपए की आर्थिक सहायता, एक सरकारी नौकरी व एक डेयरी बूथ देती है तथा कन्हैयालाल की मौत पर आर्थिक सहायता देकर इतिश्री कर ली जाती है। इस प्रकार की तुष्टिकरण की नीति बर्दास्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती, हनुमान जयंती पर रैली निकालने की अनुमति नहीं दी जाती है, लेकिन अन्य समुदाय के लोग जो कि पीएफआई से संबंधित होते है। उन्हें शीघ्र अनुमति दे दी जाती है, जो कि बर्दास्त के बाहर है।

अजमेर में पानी की समस्या पर बोलते हुए कहा कि उर्स में 24 घंटे में पानी की व्यवस्था करवाने के लिए अधिकारियों को सख्त हिदायतें दी जाती है, लेकिन दीपावली पर्व पर अजमेर के लोगों को चार पांच दिन तक पानी नहीं मिलता है। इस बारे में कांग्रेस सरकार मौन है। राजस्थान में 24 साधु संतों की मौत हो जाती है, लेकिन उन्हें किसी प्रकार कि कोई सहायता नहीं दी जाती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार आने पर एन्टी रोमियों स्क्वाइड का गठन यूपी की तर्ज पर किया जाएगा। पेपरलीक मामलों के लिए एसआईटी का गठन किया जाएगा ताकि सभी मामलों की जांच की जा सके, ताकि जो भी दोषी हो उन्हें सलाखों के पीछे पहुंचाया जा सके। पत्रकार वार्ता में शहर जिला अध्यक्ष रमेश सोनी, अरविंद शर्मा, रचित कच्छावा, चन्द्रेश सांखला, अमित जैन सहित कई भाजपा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

वाहन चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश, पांच गिरफ्तार

गंगापुर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की गंगापुर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी किये गए वाहन बरामद किए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह के नेतृत्व में जिले में हो रही वाहन चोरियों की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए गठित विशेष टीम ने वाहन चोरी गैंग का खुलासा किया है। इनके पास से पुलिस ने एक पिकअप, एक ट्रैक्टर, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली व एक मोटरसाइकिल बरामद की है। थाना प्रभारी नरेंद्र जैन ने बताया कि पोटला निवासी पप्पू लाल ने 16 अक्टूबर को एक रिपोर्ट दी जिसमें बताया कि उसकी पिकअप गाड़ी उसके बाड़े में रखी थी जिसे रात को कोई चुरा ले गया। इस पर पुलिस ने अनुसंधान करते हुए तकनीकी सहायता व इनपुट का इस्तेमाल करते हुए वाहन चोरी करने वाली गैंग के सदस्य अर्जुन पिता सुरेश चंद्र पार्क निवासी पोटला, बालू नाथ उर्फ बाला पिता नैन नाथ योगी निवासी देवगढ़, उपनाराम उर्फ विनोद पिता अर्जुन लाल गाडोलिया निवासी नयागांव पाली, पारस पिता नेहरू लाल कुमावत निवासी रूपा खेड़ा भीलवाड़ा, गुलाम गोश्त रंगरेज पिता अब्दुल मुनीम रंगरेज निवासी राजसमंद को गिरफ्तार किया है।

कांग्रेस पूरे देश की समस्या, भाजपा ही समाधान : योगी आदित्यनाथ

'कांग्रेस ने सनातन के अस्तित्व पर उठाए सवाल, अब मतदान के दिन कांग्रेस के अस्तित्व पर सवाल खड़ा करने का मौका'

जयपुर। कांग्रेस पार्टी राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश की समस्या है और इस समस्या का समाधान भाजपा ही है। ये कांग्रेस के लोग अब तक राम और कृष्ण के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे और अब चुनाव सामने देख इनको राम भगवान याद आ रहे हैं। इन लोगों ने सनातन के अस्तित्व पर सवाल उठाए है।, ऐसे में अब मतदान के दिन कांग्रेस के अस्तित्व पर सवाल उठाने का मौका है। यह बात उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ सोमवार को आमेर विधानसभा में आयोजित सतीश पूनिया की चुनावी सभा में शामिल हुए। इस दौरान गदा देकर उनका सम्मान किया गया।

- 'राजस्थान में माफियाराज कांग्रेस नेताओं ने पनपाया'

योगी आदित्य नाथ ने सोमवार को आमेर विधानसभा में आयाजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान पिछले पांच वर्षों में अपराध, अराजकता, भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, गौकशी, महिला उत्पीडन और साइबर अपराध में नंबर वन बन गया है। इस राजस्थान को भाजपा ने देश के पयर्टन के सबसे बडे केंद्र के रूप में स्थापित ने किया था। भाजपा के शासनकाल में प्रदेश को विकास की नई उचाइयों पर लाने का प्रयास किया गया था और हर गांव, हर गरीब, हर किसान, हर नौजवान तक पहुंचाने के लिए बडे कार्यक्रम व योजनाएं बनाई गई थी। लेकिन अब बीते पांच साल में राजस्थान बीमारू प्रदेश बनकर रह गया है।

आमेर विधानसभा क्षेत्र में गरजते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की बड़ी ताकत बन रहा है। भारत की वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा बढ़ रही है, सम्मान बढ़ रहा है। मोदी को विदेशों में मिलने वाला सम्मान भारत की 142 करोड़ जनता का सम्मान है। आज कोई दुश्मन भारत की ओर नहीं देख सकता। भारत के जवान दुश्मन के घर में घुसकर मार सकते हैं। वहीं देश में सबसे बडी समस्याओं की जननी भी कांग्रेस ही है। कांग्रेस ने ही आतंकवाद की समस्या पैदा की थी और पीएम मोदी के नेतृत्व में कश्मीर में 370 समाप्त कर आतंकवाद की समस्या समाप्त कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जब केन्द्र में सत्ता में थी तो इनके लोग कहते थे कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, लेकिन पीएम मोदी ने कहा कि नहीं, देश के संसाधनों पर पहला हक गांव, गरीब, किसान और नौजवान का है। इस दौरान उन्होंने आव्हान किया कि जिस प्रकार पांच वर्ष पहले जिस प्रकार जनता ने सतीश पूनिया को विजयी बनाया था उसी प्रकार इस बार भी आमेर में ही कमल खिलाएं। आमेर में सतीश पूनिया ने विपक्ष में रहते हुए जो कर सकते थे, वो कार्य किया। राजस्थान में 5 साल में खनन, भू माफिया, जंगल माफिया, गौ माफिया पनपे। यहां पेपर लीक होता है और नकल माफिया पनपता है।

इस मौके पर भाजपा प्रत्याशी सतीश पूनिया ने कहा कि 20 सालों बाद आमेर की धरती पर कमल खिला था। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के नेतृत्व में हम सब ने 1500 करोड़ की लागत से आमेर की दशा और दिशा बदली थी। आपके वोट से ही मुझे भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनने का मौका मिला था। राजस्थान की सरकार कुर्सी बचाने में लगी हुई थी। सरकार के काले कारनामे उजागर करने पर पिछले पांच साल में उन्हें 7 बार जेल भेजा गया, 2 बार पुलिस की लाठियों से पिटवाया गया लेकिन यह सब उनका हौंसला नहीं डिगा पाए।

पूनिया ने कहा कि आप सबसे मेरा निवेदन है कि अपने-अपने बूथ पर 25 नवंबर को भाजपा के पक्ष में भारी मतदान कर मुझे आशीर्वाद दीजिये, यह वोट सनातन धर्म की रक्षा के लिये होगा, यह वोट अराजक कांग्रेस सरकार के खिलाफ होगा, यह वोट आमेर की तरक्की का होगा।

इस दौरान मंच पर जयपुर महापौर सौम्या गुर्जर, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, हरदेव यादव सहित कई नेता मौजूद रहे।

पुलिस जीप को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मारी

जयपुर। मालपुरा गेट थाना इलाके में गश्त कर रही पुलिस टीम की बोलेरो को तेज रफ्तार कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में बोलेरो में बैठे चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद फॉर्च्यूनर ड्राइवर गाड़ी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने गंभीर घायलों को एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। दो पुलिसकर्मियों की हालत खराब होने पर उन्हे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में मामला दर्ज कर दुर्घटना थाना पुलिस को जांच सौंप दी है। सड़क दुर्घटना थाना पुलिस ने बताया कि मालपुरा गेट पुलिस की टीम रविवार देर रात बोलेरो में गश्त कर रही थी। इस दौरान बोलेरो में ड्राइवर रामचंद्र, कांस्टेबल देशराज, अमीचंद और बाबूलाल बैठे थे। इस दौरान सेक्टर-35 के पास सांगा सेतू के नजदीक पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार ने पुलिस टीम की बोलेरो को टक्कर मार दी। इस हादसे के बाद फॉर्च्यूनर का चालक गाड़ी को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

कमल चुने, सुशासन चुने : रवि नैय्यर

जयपुर, (का.सं.)। आदर्श नगर विधानसभा के आर्य समाज भवन में आयोजित महिला सम्मेलन और कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर ने कहा कि मेरे सभी बहन भाइयों का उत्साह देखकर स्पष्ट है कि लग रहा चुनाव परिणाम शानदार आएगा। मुझे यह देखकर खुशी हुई कि आदर्श नगर विधानसभा में इतनी बड़ी संख्या में जनसमूह जनकल्याण को लेकर कार्य करता है। अपने घर परिवार और निजी कार्यों को छोड़कर आप सभी लोग भाजपा के लिए आपके बेटे आपके भाई रवि नैय्यर के लिए प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं। मेरी कर्म भूमि जवाहर नगर रही है और वहां पानी का बहुत अभाव था। टैंकर की भी सुविधा नहीं थी मैंने अखबारों में एक खबर देखी थी जिसमें महिला गंदे पानी को छानकर एक डिब्बे में भर रही थी। उस खबर ने मुझे झकझोर कर रख दिया था। नैय्यर ने कहा कि जयपुर की सबसे बडी कच्ची बस्ती का उद्धार करने के लिए भगवान ने मुझे मौका दिया है मैं इसके लिए कटिबद्ध हूं। यहां ढाई ढाई फीट की छोटी गलियां है। मेरे लिए यह सुनहरा अवसर है कि इन लोगों के लिए कुछ कर सकूं। केंद्र में मोदी सरकार और राजस्थान में भी भाजपा की सरकार बनने जा रही है। मैं आप सभी को विश्वास दिलाता हूं कि मेरी सबसे पहली प्राथमिकता होगी मेरी विधानसभा की इन बस्तियों के उत्थान के लिए काम करना। विधानसभा की सडकों को जाम से मुक्त करना और आगरा रोड पर बसे लोगों को पट्टे दिलाना, लेकिन यह तभी संभव है जब आपका विधायक होगा।

जयपुर परकोटे में प्रधानमंत्री के रोड शो के लिए यातायात की विशेष व्यवस्था

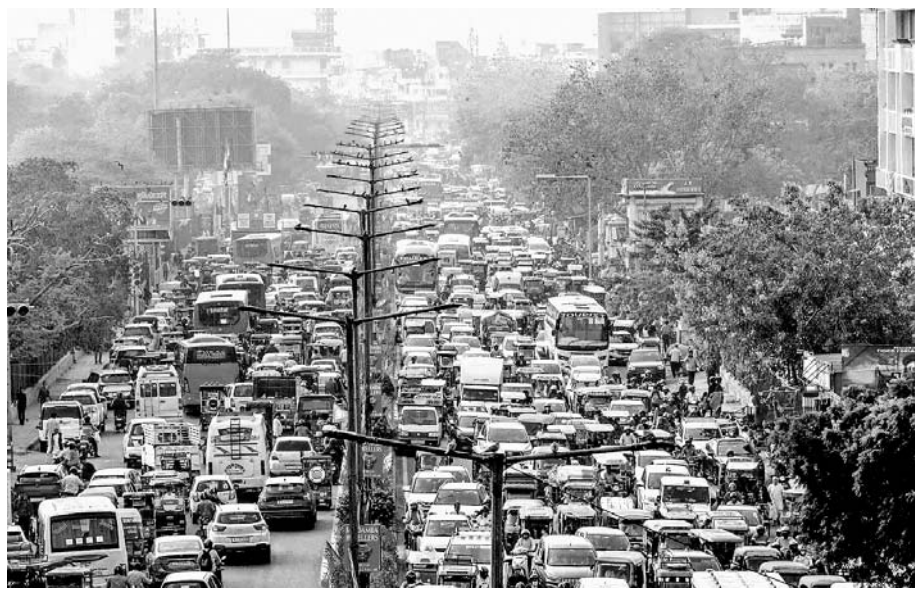

जयपुर परकोटे में मंगलवार को होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रोड शो के चलते सोमवार को एम.आई. रोड से जौहरी बाजार जाने वाला रास्ता बंद किया। इसके चलते एम.आई.रोड, अजमेरी गेट और टोंक रोड पर भारी ट्रेफिक जाम लगा रहा। फोटो-राष्ट्रदूत

जयपुर (कासं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को जयपुर में होने वाले रोड शो को लेकर पुलिस और एसपीजी ने मोर्चा संभाल लिया है। वहीं यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के लिहाज से सोमवार को परकोटे में रिहर्सल के दौरान कई रास्तों को बंद कर दिया गया है। इससे एमआई रोड और टोंक रोड सहित कई रास्तों पर ट्रेफिक डायवर्ट करने से जाम की स्थिति बन गई।

- रोड शो को लेकर पुलिस व एसपीजी ने मोर्चा संभाला

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को शाम साढ़े पांच बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से जेएलएन मार्ग होते हुए जवाहर सर्किल, ओटीएस चौराहा, गांधीनगर सर्किल, जेडीए सर्किल, अल्बर्ट हॉल और एमआई रोड होते हुए 5 बजकर 50 मिनिट पर सांगानेरी गेट पहुंचेंगे। यहां से शाम 6 बजे रथ में सवार होकर रोड शो करेंगे। प्रधानमंत्री का रोड शो बापू बाजार, नेहरू बाजार होते हुए शाम 6 बजरक 20 मिनिट पर किशनपोल बाजार पहुंचेगा। इसके बाद 6 बजकर 40 मिनिट पर छोटी चौपड़ और 6 बजकर 50 मिनिट पर त्रिपोलिया बाजार गेट पहुंचेगा। 7 बजे रोड शो बड़ी चौपड़ और फिर जौहरी बाजार होते हुए शाम 7 बजकर 20 मिनिट पर सांगानेरी गेट पहुंचकर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री शाम 7 बजकर 25 मिनिट पर जयपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। 7 बजकर 40 मिनिट पर दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

पीएम के दौरे से पहले सोमवार को एसपीजी और जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने पूरा प्लान डिस्कस किया। पीएम के सांगानेरी गेट से रैली शुरू करने और फिर बड़ी चौपड़ पर खत्म करने के प्लान के दौरान क्या व्यवस्था रहेगी, इसको लेकर भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने जयपुर पुलिस के साथ वीसी के जरिए तैयारियों का जायजा भी लिया। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर परकोटे में यातायात पुलिस ने विशेष व्यवस्था की है। जौहरी बाजार, हवामहल बाजार, रामगंज बाजार, त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता, किशनपोल बाजार, बापू बाजार, नेहरू बाजार में मुख्य मार्गों पर वाहनों की पार्किंग नहीं होगी। ये मार्ग नो व्हीकल जोन रहेंगे।

इसके अलावा गलता गेट चौराहा से रामगंज चौपड़ की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को गलता गेट चौराहे से दिल्ली रोड पर डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। वहीं आमेर, जलमहल की तरफ से आने वाले लोग सुभाष चौक, चार दरवाजा, घोड़ा निकास रोड, रामगंज चौपड़ होकर अपने गन्तव्य स्थान पर जा सकेंगे। यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर रामगढ़ मोड़ से धोबी घाट की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। रामगंज चौपड़ से बड़ी चौपड़ की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर समानांतर मार्ग से संचालित किया जाएगा। फुटा खुर्रा से बड़ी चौपड़ की तरफ किसी भी प्रकार का यातायात नहीं आ सकेगा। ब्रह्मपुरी बस स्टैण्ड से चौगान चौराहा होकर छोटी चौपड़ आने वाले सामान्य यातायात को ब्रह्मपुरी बस स्टैंड से माउंट रोड की तरफ और चौगान चौराहा से 12 भाइयों के चौराहा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। स

ांजय सर्किल से चांदपोल बाजार में आने वाले सामान्य यातायात को संजय सर्किल से संसार चंद्र रोड पर डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर झोटवाड़ा रोड से संजय सर्किल की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को दूधमंडी से माधोसिंह सर्किल, पानीपेच तिराहा से जयसिंह हाईवे पर डायवर्ट किया जाएगा। गवर्नमेंट हॉस्टल से अजमेरी गेट की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को आवश्यकतानुसार पांच बत्ती से सेंट जेवियर चौराहा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। यातायात का अत्यधिक दबाव होने पर गवर्नमेंट हॉस्टल चौराहा से गवर्नमेंट प्रेस चौराहा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। अजमेरी गेट से किशनपोल बाजार में जाने वाले सामान्य यातायात को अजमेरी गेट तिराहा से यादगार तिराहा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा।

घाटगेट से चारदीवारी में प्रवेश करने वाले सामान्य यातायात को घाटगेट चौराहा से डायवर्ट कर समानान्तर मार्गों से संचालित किया जाएगा। गणगौरी बाजार से सार्दुल सिंह को नाल, नगर परिषद को मोरी, जनानी ड्योढ़ी से गोविन्द देव जी मंदिर की तरफ चलने वाले सामान्य यातायात को डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। गुरुद्वारा मोड़ से घाटगेट चौराहा की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को अत्यधिक दबाव होने पर गुरुद्वारा मोड़ से गोविंद मार्ग पर आवश्यकतानुसार डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। गांधी सर्किल से रामनिवास बाग की तरफ आने वाले सामान्य यातायात को त्रिमूर्ति सर्किल से गोविंद मार्ग, नारायण सिंह तिराहा की तरफ डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। आरोग्य पथ तिराहा से सामान्य यातायात को सूचना केन्द्र की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

टोंक रोड से आने वाले सामान्य यातायात को अत्यधिक दबाव होने पर पृथ्वीराज टी. पॉइंट से पृथ्वीराज रोड, अशोका टी. पॉइंट से अशोका मार्ग पर डायवर्ट कर संचालित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान अजमेरी गेट से घाटगेट तक सभी प्रकार का सामान्य यातायात बंद रहेगा।

माल वाहक वाहनों साइकिल ट्रॉली, ठेले, बैलगाड़ी व ठेलों में लंबे पाइप सरिए आदि से भरे हुए वाहन का परकोटा, संसार चन्द्र रोड, एमआई रोड, अशोका मार्ग, यादगार तिराहा से रामबाग चौराहा, एमडी रोड में प्रवेश पर पूर्णत: प्रतिबंध रहेगा।

'गैंगरेप आरोपियों की कार के पीछे कांग्रेसी का स्टीकर लगा है'

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस सरकार पर महिला उत्पीड़न बढ़ती दुष्कर्म की घटनाओं, पेपर लीक और तुष्टिकरण की घटनाओं को लेकर कड़ा प्रहार किया। डॉ. पात्रा ने कांग्रेस

- भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने जयपुर में प्रेसवार्ता को संबोधित किया

द्वारा राम को काल्पनिक बताने पर कहा कि जो लोग राम को काल्पनिक बताते हैं, राम जन्म का प्रमाण पत्र मांगते हैं उन्हें बताना चाहूंगा कि आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी और हिंदु आस्था का सबसे बड़ा पर्व मनाया जाएगा। पात्रा ने कहा कि वीरों और बलिदानियों वाला राजस्थान आज देश में दुष्कर्म के मामलों में नंबर एक पर आ गया। प्रदेश में पिछले पांच सालों में नारी उत्पीड़न के 2 लाख केस दर्ज हुए हैं। वहीं दुष्कर्म के 35 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं जिसमें से 15 हजार दुष्कर्म के मामले नाबालिगों के साथ हुए हैं। बीती रात नागौर के लाडनूं में एक 15 वर्षीय नाबालिग के साथ गैंगरेप हुआ, लेकिन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं हुई। इससे भी ज्यादा शर्मनाक तो यह है कि पुलिस ने आरोपियों की जो कार पकड़ी है उसके पीछे कांग्रेस प्रत्याशी का स्टीकर लगा हुआ है। प्रदेश में बेटियों को भट्टियों में डाला जाता है, कहीं तेजाब डालकर जलाया जाता है।

भर्ती में अपात्रों को शामिल करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक रेडियोग्राफर भर्ती-2023 की चयन प्रक्रिया में अपात्रों को शामिल करने पर चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक और राजस्थान पैरामेडिकल कौंसिल के रजिस्ट्रार से जवाब तलब किया है। जस्टिस गणेशराम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश दिलशाद अहमद व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पूछा है कि क्यों ना चयन प्रक्रिया से अपात्र अभ्यर्थियों को बाहर कर याचिकाकर्ताओं का चयन कर लिया जाए।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने सहायक रेडियोग्राफर भर्ती-2023 की चयन प्रक्रिया में अपात्रों को शामिल करने का मामला

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने गत 31 मई को सहायक रेडियोग्राफर के 1067 पदों के लिए भर्ती निकाली। जिसमें रेडियोग्राफर डिप्लोमा के अंकों के साथ ही अनुभव के अंकों के आधार पर चयन किया जाना है। अभ्यर्थियों को अनुभव के आधार पर अधिकतम तीस अंक दिए गए। वहीं भर्ती प्रक्रिया के दौरान शॉर्टलिस्ट किए अभ्यर्थियों के गत 22 अगस्त व 23 अगस्त को दस्तावेज सत्यापन किए गए। जिसमें याचिकाकर्ता सहित अन्य अभ्यर्थियों को शामिल किया गया। याचिका में कहा गया की दस्तावेज सत्यापन में कई अपात्र अभ्यार्थया का शामिल कर लिया गया। इनमें से कई अभ्यर्थियों ने प्रदेश के बाहर से फर्जी तरीके से रेडियोग्राफर का डिप्लोमा लिया है। वहीं कुछ अभ्यर्थियों के डिप्लोमा को पैरामेडिकल कौंसिल ने मानने से इनकार कर दिया। इसके अलावा कई अभ्यर्थियों ने ऊपरी आयु सीमा पार कर ली। इसके साथ ही कुछ ऐसे अभ्यर्थी भी दस्तावेज सत्यापन में शामिल किए गए, जिनके पास वास्तविक रूप से अनुभव प्रमाण पत्र ही नहीं है। इसके बावजूद भी ऐसे अभ्यर्थियों को बोनस अंक दिए गए। याचिका में गुहार की गई है कि इन अपात्र अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से बाहर किया जाए और याचिकाकर्ता का सहायक रेडियोग्राफर पद पर चयन किया जाए। इस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

दुष्कर्म करने वाले युवक को सजा

जयपुर। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने नाबालिग का अपहरण कर उसके साथ कई महीनों तक दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त परमेश्वर को चौदह साल की सजा सुनाई है। अदालत ने अभियुक्त पर एक लाख चालीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि 20 फरवरी, 2020 को पीड़िता के पिता ने फागी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी 17 साल पांच माह की बेटी एक माह पहले पीपला से कालवाड़ के लिए कह कर गई थी। इस दौरान अभियुक्त उसे बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान पीड़िता की ओर से अदालत को बताया गया कि उसका बचपन में ही विवाह हो गया था। करीब चार साल पहले वह उसकी बड़ी बहन के पास गई थी। जहां उसकी अभियुक्त से जानकारी हुई थी। करीब डेढ साल पहले वह कालवाड से पीपला जा रही थी। इस दौरान अभियुक्त उसे जबरन अपने साथ किशनगढ़ ले गया। जहां उसने करीब चार माह तक उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद पुलिस आकर उसे ले गई। इसके बाद करीब छह माह पहले अभियुक्त उसे फिर से जबरन अपने साथ ले गया।

राजनेताओं, खिलाड़ियों व फिल्मी सितारों ने "सहाराश्री" को अर्पित की श्रद्धांजली

जयपुर। सहारा इंडिया परिवार के प्रबंध कार्यकर्ता और चेयरमैन सुब्रत रॉय सहारा, जिन्हें प्यार से सहाराश्री कहा जाता है, को हर क्षेत्र के लोगों से भावभीनी श्रद्धांजलियां प्राप्त हुई हैं। उन्हें राजनेताओं, खिलाड़ियों और फिल्मी सितारों ने श्रद्धांजलि दी। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहाराश्री के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है जबकि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके निधन को राज्य और देश की भावनात्मक क्षति बताया

सहाराश्री के निधन के तत्काल बाद अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन व श्वेता बच्चन ने मुंबई के सहारा स्टार होटल पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

क्योंकि सहाराश्री केवल एक सफल व्यवसायी ही नहीं बल्कि एक बड़े हृदय के इंसान थे जिन्होंने अनगिनत लोगों की सहायता की और उन्हें आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

सहाराश्री का निधन 14 नवंबर को रात 10.30 बजे मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल एवं मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट में दिल का दौरा पड़ने से हो गया था। सहाराश्री मेटास्टेटिक कैंसर उच्च रक्तचाप और मधुमेह से पीड़ित थे। उनका पार्थिव शरीर 15 नवम्बर को लखनऊ लाया गया एवं 16 नवंबर को उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। दुख की इस घड़ी में उनकी पत्नी स्वप्ना रॉय उनकी पुत्रवधुएं बड़े बेटे सुशांतो रॉय की पत्नी ऋचा रॉय तथा छोटे बेटे सीमांतो रॉय की पत्नी चांदनी रॉय को हजारों शोकाकुल लोगों से भावनात्मक संवेदनाएं और शोक संदेश प्राप्त हुए। सहारा इंडिया परिवार के प्रवक्ता ने कहा कि शोक के इस समय में सहारा इंडिया परिवार के दोनों उपप्रबंध कार्यकर्ता ओपी श्रीवास्तव और जेबी रॉय जो कि सहाराश्री के छोटे भाई भी हैं ने परिवार के लोगों और समूचे सहारा इंडिया परिवार को पितृवत संबल प्रदान किया। मुंबई में सहाराश्री के निधन के तत्काल बाद जो लोग सबसे पहले स्वप्ना रॉय से मिलने पहुंचे, वे थे अमिताभ बच्चन उनके पुत्र अभिषेक बच्चन और उनकी पुत्री श्वेता बच्चन नंदा। इन्होंने मुंबई के सहारा स्टार होटल में उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर सहाराश्री के निधन को एक गहरी क्षति बताया।

संजय बियानी ने किया जनसंपर्क

जयपुर (कासं)। विद्याधर नगर विधानसभा से आम आदमी प्रत्याशी डॉ. संजय बियानी ने भव्य रैली का आयोजन किया। रैली में सदस्यों और समर्थको ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वहीं आप पार्टी को सपोर्ट करने और रैली को और खास बनाने के लिए महिलाओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होनें सभी लोगों को जागरूक करने के लिए नुक्कड़ नाटक आयोजित किए व जोश के साथ रैली में आम आदमी की स्थिति को बताते हुए आप पार्टी के विकास के संकल्प को उजागर किया।

रैली का शुभारंभ निवास स्थान सी 1, सी 2 से खेतान हॉस्पिटल ,प्रताप नगर चौराहा, मुरलीपुरा केडिया पैलेस से बुडानिया चौराहा, मैजर योगेश अग्रवाल मार्ग से नाडी का फाटक, दादी का फाटक फ्लाई ओवर से निवारू पुलिया लक्ष्मी नगर होते हुए शालीमार चौराहा, गोल्डन बैकरी, श्री शिव हनुमान मंदिर, ब्लॉक ऑफिस संजय नगर के सामने से जोशी मार्ग, कांटा चौराहा, लता सर्कल से होते हुए प्रधान कार्यालय अंबाबाड़ी से बियानी गर्ल्स कॉलेज के प्रारगण में समाप्त हुई।

'अंग्रेजी बोलना नहीं आता, गृहमंत्री ने बेटे को बी.सी.सी.आई. सचिव बनाया'

कांग्रेस सी.डब्ल्यू.सी. सदस्य कन्हैया कुमार ने जयपुर में बोला भाजपा पर हमला

जयपुर, (का.प्र.)। सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य कन्हैया कुमार ने मीडिया से बात करते हुए प्रदेश की अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार की नीतियों की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि राजस्थान में कांग्रेस ने जो जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, उसकी गूंज न केवल भारत बल्कि दुनियाभर में सुनाई दे रही है। जो लोग आज दुनिया में वेलफेयर और कल्याणकारी योजनाओं को लेकर बहस कर रहे हैं उनके बीच राजस्थान एक मॉडल के रूप में उभरा है।

राजस्थान की अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का जिक्र करते हुए कन्हैया बोले, कुछ लोग कहते हैं कि अंग्रेजी पढ़ने की क्या जरूरत है। मंत्री का बेटा पढ़ने के लिए ऑक्सफोर्ड-कैम्ब्रिज जाएगा तो क्या इस देश के दलितों, आदिवासियों, गरीबों और किसानों के बच्चों को अंग्रेजी पढ़ने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी बोलना भी नहीं आता है तो भी गृह मंत्री ने अपने बेटे को बीसीसीआई का सचिव बना दिया, लेकिन हर कोई तो देश का गृह मंत्री नहीं है कि उसका बेटा बीसीसीआई का सचिव बन जाए।

- 'पी.एम. मोदी का फेवरेट सब्जेक्ट विभाजन, नफरत और जाति-धर्म की बात है'

कन्हैया कुमार ने कहा कि पीएम मोदी राजस्थान में प्रचार के दौरान अब योजनाओं की बात कर रहे हैं। हालांकि, उनका फेवरेट सब्जेक्ट यह नहीं बल्कि विभाजन, नफरत और जाति-धर्म की बात है। दंगे की बात है, लेकिन वो भी योजनाओं की बात करने लगे। आप देखिए उनको किस तरह से अपना मैदान छोड़ना पड़ा। वो किसी भी चुनाव में जाते थे तो नफरत और विभाजन की बात करते थे। यहां आकर वो भी कह रहे हैं कि हम 450 रुपए में गैस सिलेंडर देंगे। ये जनता की बहुत बड़ी जीत है। कन्हैया कुमार ने भाजपा से सवाल पूछा कि हमने पुरानी पेंशन योजना का लाभ देना शुरू कर दिया है, आप इसे लागू करेंगे कि नहीं।

जातिगत जनगणना से समाज का बंटवारा होने के सवाल पर कन्हैया कुमार ने कहा, देश के भीतर लोगों की क्या स्थिति है। उसकी जानकारी जुटाना सरकार की जिम्मेदारी है। गिनने में क्या परेशानी है, इसे हम बंटवारा क्यों कह रहे हैं।

सिपाही ने खुद का गला रेता

जयपुर (कासं)। कानोता इलाके में चुनाव ड्यूटी में तैनात आई.टी.बी.पी. के सिपाही ने सोमवार को खुद का गला रेत दिया, जिसे गंभीर हालत में कानोता स्थित निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद सिपाही को एस.एम.एस. अस्पताल में रैफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि सिपाही मनोज विश्वास ने सोमवार सुबह परिवार से फोन पर बात करने के बाद आत्महत्या करने का प्रयास किया। इधर घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची। परिवार को भी घटना की जानकारी दे दी हैं। वहीं आईटीबीपी के कमांडेंट भी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फिलहाल मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने बताया कि सिपाही का नाम मनोज विश्वास है, जो पश्चिम बंगाल का रहने वाला है। सिपाही मनोज के मोबाइल की जांच की जा रही है।

सुरंग के नाले में युवक की लाश मिली

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में सुरंग के नाले में सोमवार सुबह एक युवक की लाश पड़ी मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक के हाथ में नशे का इंजेक्शन लगा हुआ था। पुलिस प्रथमदृष्टया नशे की ओवर डोज से युवक की मौत होना मान रही है।

खदान में मजदूर पर गिरा पत्थर, मौत

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा थाना इलाके में सोमवार सुबह खदान में पत्थर गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई,जबकि दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। वहीं दो अन्य घायल मजदूरों को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल भिजवाया। थानाधिकारी हिम्मत सिंह ने बताया कि थाना इलाके में स्थित टोड़ी मोड के नजदीक पत्थर की खदान में बड़ी चट्टान को तोड़ने के लिए विस्फोटक लगाया गया था। जहां विस्फोट से पहले ही अचानक चट्टान नीचे आ गिरी। चट्टान जहां गिरी वहां तीन मजदूर काम कर रहे थे, जिनमें से एक की मौके पर ही मौत हो गई। शव के तीन टुकड़े हो गए और दो अन्य मजदूर गंभीर घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को बाहर निकाल अस्पताल पहुंचाया गया। मृत मजदूर और अस्पताल में भर्ती मजदूरों के बारे में फिलहाल जानकारी जुटाई जा रही है।

साथ ही खदान में काम बंद करा दिया गया है। अन्य श्रमिकों से भी पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि इस खदान में करीब 40 से 50 फीट ऊंचाई पर पहाड़ से लगी बड़ी चट्टान को तोड़ने का काम चल रहा था। चट्टान तोड़ने के लिए छोटे छेद कर उनमें विस्फोटक लगाना होता है। इससे चट्टान का वही हिस्सा टूटता है, जिसे तोड़ना चाहते हैं।

डॉ. बी.डी. कल्ला ने जनसम्पर्क कर लोगों से किया संवाद

बीकानेर, (कासं)। बारहगुवाड़ चौक में पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के प्रत्याशी डॉ.बुलाकी दास कल्ला के समर्थन में हुए स्वागत समारोह हुआ । इस दौरान सैकड़ों की तादाद में डॉ.कल्ला के समर्थन लोग बारहुगुवाड़ चौक में जुटे। संगीतमय कार्यक्रम के साथ ही बारहगुवाड़ कांग्रेस के रंग में रंगा नजर आया। वातावरण में चारों और डॉ.कल्ला समर्थन तैयार किए गए पैरोडी गीतों की स्वर लहरियां गूंज रही थी। लोगों से मिले प्रेम और स्नेह से डॉ.कल्ला भी अभीभूत हो गए।

मोहल्लेवासियों की और से भव्य पुष्प हार डॉ.कल्ला को पहना गया। इस अवसर पर डॉ.कल्ला ने कहा कि वे इसी धरा के जाये जन्मे है। इस चौक, शहर की इन गलियों में उनका बचपन बीता है। कल्ला ने कहा कि बीकानेर के लोग मेरा परिवार है। यही वजह है कि हर समय दिल में बीकानेर के विकास की बात ही रहती है। उन्होंने कहा कि मैं भरोसा दिलाता हूं कि इस बार भी आपका समर्थन मिला, तो बीकानेर को विकास में पीछे नहीं रहने देंगे। स्वागत समारोह के दौरान बारहगुवाड़ में गीत संगीत की स्वर लहरियों के साथ ही समर्थक हर-हर महादेव के जयकारे भी लगाते रहे।

जनसम्पर्क के दौरान डॉ.वाल्मीकि बस्ती, वार्ड नंबर 43 में लोगों के बीच पहुंचे। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के लोगों से संवाद किया। साथ ही कहा कि बीते पांच साल में उनके कार्यकाल में बीकानेर के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कार्य कराने का प्रयास किया है। आगे भी यह क्रम जारी रहेगा। उन्होंने कहा आज शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और बिजली सहित किसी भी क्षेत्र में बीकानेर पीछे नहीं है। आमजन के बच्चे अंग्रेजी माध्यम की स्कूल में पढ़ सके, इसके लिए जिले में अंग्रेजी माध्यक के सरकारी विद्यालय खोले गए है। नई कॉलेज खुल रहे हैं। सडक़ों का निर्माण हुआ है। इस दौरान वाल्मीकि बस्ती के लोगों ने डॉ.कल्ला का पुष्प मालाएं पहनाकर स्वागत किया और समर्थन का भरोसा दिलाया।डॉ.बी.डी. कल्ला ने जनसम्पर्क के दौरान रविवार को आसानियों के चौक में पहुंचे और लोगों संवाद किया। साथ ही मनसापूर्ण गवरजा माता के धोक लगाकर बीकानेर के कुशल मंगल की कामना की।इस मौके पर एक लाड़ली बिटिया ने डॉ.कल्ला के माथे पर तिलक लगाकर अभिनंदन किया। डॉ.कल्ला ने बिटिया को आशीर्वाद लिया। यहां पर मौजूद लोगों ने तहे दिल से डॉ.कल्ला का स्वागत कर समर्थन देने की बात कही। कल्ला ने कहा कि वो क्षेत्रवासियों के प्रेम और स्नेह का आदर करते है। साथ ही अभार व्यक्त करते है। डॉ.कल्ला ने कहा बीकानेर के विकास के लिए उन्हें समर्थन दें। डॉ.बीड़ी कल्ला ने कांग्रेस के युवा नेता वैभव गहलोत के साथ सुजानेदसर स्थित बाबा रामदेवजी मंदिर में धोक लगाई।

बारहगुवाड़ चौक में डॉ.बी.डी. कल्ला का किया स्वागत।

बबेरवाल ने किया जनसंपर्क

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र निर्दलीय प्रत्याशी राधेश्याम बबेरवाल का गत रविवार की संध्या राजलदेसर में कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस मौके पर बबेरवाल ने कहा कि जनता ने जिस तरह से मुझे सहयोग, समर्थन और आशीर्वाद दिया है मैं जनता को नमन करता हूं और आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपकी कसौटी पर खडा उतारूंगा। बबेरवाल ने सोमवार को ग्राम जेतासर, जोगलिया, धातरी, रणधीसर, खालिया, आबसर भानिसरिया, पडिहारा में ग्रामीण चौपल कर मशीन पर मतदान देने का आ ान किया। इस अवसर पर महेश प्रजापत, गुरुदत खटोड,जुगल किशोर, राजकुमार मेघवाल, दिनेश जाट, ओमप्रकाश भार्गव, सुनील बवेरवाल, मनोज सैनी सहित दर्जनों लोग साथ थे।

सीकर जिले की आठ विस. क्षेत्र में भाजपा-कांग्रेस में कांटे का मुकाबला

सीकर, (निसं)। सीकर जिले की 8 विधानसभा क्षेत्र के चुनाव में भाजपा एवं कांग्रेस में कांटे का मुकाबला होगा। सीकर में निर्दलीय उम्मीदवार भी संघर्ष कर रहे हैं। वर्ष 2018 के चुनाव के मुकाबले भाजपा ने कांग्रेस को भारी चुनौति दे रखी है। वहीं कांग्रेस व भाजपा में जीत के लिए चार-चार का बंटवारा दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस फतेहपुर, सीकर व नीमकाथाना में मजबूत दिखाई दे रही है। इन स्थानों पर भाजपा को बागियों, अन्य दलों व निर्दलीय उम्मीदवारों से भी संघर्ष करना पड़ रहा है। भाजपा धोद व श्रीमाधोपुर में मजबूत दिखाई दे रही है। यहां भाजपा उम्मीदवारों के सामने कांग्रेस कहीं भी टिकती हुई नहीं लग रही है। दाता रामगढ़, लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी एवं खण्डेला में दोनों दलों के सामने अपनी प्रतिष्ठा बचाना मुश्किल गया है। खण्डेला में कांग्रेस के लगातार विधायक रहे महादेवसिंह खण्डेला, लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी में गोविन्दसिंह डोटासरा की प्रतिष्ठा दाव पर लगी हुई है। भाजपा के सुभाष महरिया एक कद्दावर नेता हैं।

उन्हें भी अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए खेला खेलना पड़ रहा है। दाता रामगढ़ से पूर्व प्रदेशाध्यक्ष नारायणसिंह की प्रतिष्ठा दाव पर लगी है। यहां उनके पुत्र वीरेन्द्रसिंह कांग्रेस के उम्मीदवार हैं। भाजपा ने यहां से गजानंद कुमावत को उम्मीदवार बनाया है। यहां दोनों में कड़ा संघर्ष है। हालांकि भाकपा के अमराराम व जेजेपी की रीटासिंह चौधरी ने मुकाबले को रोचक बना रखा है। यहां तीन जाट उम्मीदवार होने से जाट वोट बैंक बिखर जाएगा। फतेहपुर शेखावाटी में कांग्रेस के हाकम अली मजबूत दिखाई दे रहे हैं। यहां भाजपा के श्रवण चौधरी को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

खेत में कृषि कार्य करते समय करंट लगने से मौत

सादुलपुर, (निसं)। गांव डिंगली निवासी 17 वर्षीय लडके की खेत में कृषि कार्य करते समय बिजली के करंट लगने से मृत्यु हो गई। वहीं घटना के बाद सहायक उपनिरीक्षक गोरूराम ने घटना स्थल का मौका निरीक्षण किया। तथा मृतक किशोर के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सुपूर्द कर दिया है। हमीरवास थाने में हवासिंह पुत्र प्रभुराम जाट उम्र 40 वर्ष निवासी डिंगली पुलिस थाना हमीरवास द्वारा पीएचसी चांदगोठी में इस आरोप की रिपोर्ट दी कि उसका लडका सुमित कुमार 19 नवम्बर को उनके खेत रोही डीगली में खेती का काम कर रहा था तथा फसल में पानी देने के लिए पाइप लाइन बदल रहा था।

■ सहायक उपनिरीक्षक गोरूराम ने घटना स्थल का मौका निरीक्षण किया

तभी वक्त करीब अपराहन पाइप उपर से गुजर रही बिजली के लाइन के तार के टच हो गया, जिससे उसके लडके सुमीत कुमार के करंट लगने से घायल हो गया तो वह तथा हिमांषू भाग कर गये एवं सुमीत को सम्भाला जो बेहोस गया। तत्पश्चात सुमीत को इलाज के लिए पिलानी लाये तो डॉ. साहब ने उसे देखकर मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि उसके लडके सुमित कुमार उम्र 17 वर्ष की खेत में कृषि कार्य करते समय बिजली के करंट लगने से मृत्यु हुई है।

प्रियंका गांधी कल चूरू में

चूरू, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी आगामी 22 नवम्बर को प्रात: 10 बजे चूरू में जयपुर रोड पर स्थित ग्रांड शेखावाटी हॉटल के सामने एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। चूरू विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी रफीक मंडेलिया ने यह जानकारी देते हुए बताया कि सभा को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रभारी महासचिव सुखजिन्दर सिंह रंधावा एवं सचिन पायलट सहित प्रदेश व जिले के वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

पादुका पूजन से शुरु हुई श्रीराम कथा

बीकानेर, (कासं)। छोटी काशी बीकानेर का अहोभाग्य की 24 घंटे विलम्ब से ही लेकिन साक्षात् प्रभु के दर्शन हजारों श्रद्धालुओं ने किए। पद्मविभूषित तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्यजी महाराज के बीकानेर में आगमन के साथ ही हजारों श्रद्धालुओं का हुजुम दर्शनमात्र को उमड़ पड़ा। सुजानदेसर गंगाशहर-भीनासर गौचर भूमि पर बसे सियारामनगर में आयोजित 108 कुंडीय श्रीरामचरित मानस महायज्ञ एवं जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्यजी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा के आयोजन ने बीकानेर को राममय बना दिया है। रामझरोखा कैलाशधाम के पीठाधीश्वर श्रीसरजूदासजी महाराज ने बताया कि 108 कुंडीय श्रीरामचरित मानस महायज्ञ में 429 जोड़े आहुतियां दे रहे हैं। यज्ञाचार्य पं. जुगलकिशोर ओझा के आचार्यत्व में लगभग सुबह 8 से 12 बजे तक हवन अनुष्ठान जारी रहता है। सोमवार शाम करीब 5 बजे श्रीरामकथा की शुरुआत हुई। मुख्य यजमान अविनाश मोदी, अशोक मोदी, अनुज मोदी, अंशु सेठ, श्रीभगवान अग्रवाल, डॉ. रामदेव अग्रवाल, रेवंत राजपुरोहित, दिलीप पुरी, पवन अग्रवाल आदि ने जगद्गुरु श्रीरामभद्राचार्यजी महाराज का आशीर्वाद लेकर पादुका पूजन किया।

पादुका पूजन से श्रीराम कथा शुरु हुई।

महंत भगवानदासजी महाराज ने बताया कि पादुका पूजन का भी विशेष महत्व यह है कि यह पादुका विक्रम संवत 1364 की माघ शुक्ल पंचमी को जगत गुरु आद्य रामनंदाचार्यजी ने अपने चरणों में धारण की थी। इनकी पूजा स्वयं जगद्गुरु श्रीरामभद्रचार्यजी महाराज भी करते हैं। इसके बाद अरविन्द शर्मा, पवन अग्रवाल रेवाड़ी, मुकेश खंडेलवाल, अमित सुराना, अरविन्द सिंह, सीताराम भांभू, सुनीलम, प्रवीण जोशी, ईश्वरजी, मनीष खत्री, हीरालाल गहलोत, आनन्द पड़िहार, अंजना खत्री, अनुराधा अरोड़ा, वैंकटेश्वर राव, शांतिलाल, सुभाष मित्तल, मनमोहन गाडोदिया, मंजू मित्तल, बिंदू गाडोदिया ने जगद्गुरु सहित सभी संत-महात्माओं का माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। इस अवसर पर पूज्य गुरु रामदासजी महाराज, महामंडलेश्वर सरजूदासजी महाराज, यज्ञ सम्राट बालकदासजी महाराज, महामंडलेश्वर बजरंगदासजी महाराज, वैष्णोदासजी महाराज ने उद्बोधन दिया। महंत भगवानदासज महाराज ने बताया कि कार्यक्रम में परम पूजनीय महामंडलेश्वर श्री श्यामदासजी महाराज वृंदावन, परम महामंडलेश्वर मदनमोहनदासजी महाराज अयोध्या, बालयोगेश्वरदासजी महाराज बद्रीनाथ,प्रेमदासजी महाराज रामानंद आश्रम हरिद्वार, अरुणदासजी महाराज हरिद्वार, राजूदासजी महाराज अयोध्या हनुमानगढ़ी, परशुरामदासजी महाराज, रामेश्वरदासजी महाराज, श्रीस्वामी धर्माचार्य स्वामी प्रियमजी महाराज ने शुभाशीष प्रदान किया।

आमजन में वाट्सअप चैनल का क्रेज

झुंझुनूं, (निसं)। जिला प्रशासन द्वारा 4 दिन पहले ही नवाचार करते हुए डिस्ट्रिक्ट एडमिनस्ट्रेशन झुंझुनू नाम से वाट्सएप चैनल बनाया गया था, जिस पर सोमवार को फालोअर्स की संख्या 12 हजार को पार कर गई है।

जिला कलेक्टर बचनेश कुमार अग्रवाल ने इसके लिए जिलेवासियों और जिला प्रशासन की पूरी टीम को बधाई दी है। गौरतलब है कि सूचना क्रांति के इस दौर में जिला प्रशासन ने आमजन से जुडऩे और उन तक विभिन्न विभागों के कार्य, फैसले, जिला प्रशासन के निर्णय, समाचार आदि पहुंचाने के लिए यह वाट्सअप चैनल शुरु किया था।

जिला कलेक्टर अग्रवाल ने बताया कि वाट्सएप एक ऐसा माध्यम बन गया है, जो आमजन बहुतायत में उपयोग करते हैं।

मीडिया के विभिन्न साधनों की अपनी सीमाएं हैं लेकिन वाट्सएप सामान्यतया हम आदतन कुछ ही देर में चैक करते रहते हैं, ऐसे में जिला प्रशासन से जुड़ी अपडेट्स पहुंचाने के लिए यह एक बेहतर माध्यम साबित होगा। इस पर विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करके, उनसे जुड़े कार्र्यों की अपडेट्स भी पहुंचाई जाएंगी, ताकि आमजन को लाभ हो। बकौल जिला कलेक्टर इस वाट्सएप चैनल के जरिए ग्लोबल विलेज की अवधारणा फलीभूत होकर गुड गवर्नंस की धारणा सार्थक हो सकेगी।

सार-समाचार

होम वोटिंग का द्वितीय चरण आज तक

श्रीगंगानगर, । राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा होम वोटिंग की जो सुविधा प्रदान की गई है, उसमें प्रथम चरण के पश्चात द्वितीय चरण 21 नवम्बर को निर्धारित किया गया है। जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि क्षेत्र की विधानसभाओं में होम वोटिंग का प्रथम चरण 14 से 19 नवम्बर निर्धारित है तथा मतदान दलों द्वारा होम वोटिंग का कार्य किया जा रहा है। होम वोटिंग का द्वितीय चरण 21 नवम्बर को निर्धारित है, इस संबंध में यह स्पष्ट है कि यदि किसी विधानसभा में प्रथम चरण 19 नवम्बर से पूर्व पूर्ण हो जाये, तब भी प्रथम चरण में अनुपलब्ध अनुपस्थित मतदाताओं हेतु द्वितीय चरण 20 नवम्बर से ही प्रारम्भ किया जायेगा तथा दोनों चरणों का पृथक-पृथक रिकॉर्ड संधारित किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त रिटर्निंग अधिकारियों को आयोग के निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है।

जैन ओलम्पिक 12 दिसम्बर से

बीकानेर, जैन यूथ कूब के तत्वावधान में तीसरा जैन ओलम्पिक 17 दिसम्बर तक रेलवे स्टेडियम में होगा। विभिन्न खेलों के लिए विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ी पंजीयन करवा रहे है। जैन यूथ कूब के सचिव विशाल गोलछा ने बताया कि 19 वर्ष तक के लड़कों की क्रिकेट प्रतियोगिता, लड़के व लड़कियों की 19 वर्ष से ऊपर व इससे कम आयु वर्ग की कैरम, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, शतरंज, कक्षा एक से बारहवीं तक के विद्यार्थिर्यों के लिए एथलैटिक्स की विभिन स्पर्द्धाओं के लिए विभिन्न स्थानों पर नियमित पंजीयन हो रहा है। प्रतियोगिता में जैन समाज की 800 खेल प्रतिभाओं के प्रदर्शन का मौका मिलेगा।

अंजू ने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल जीता

चूरू, (कासं)। निकटवर्ती गांव ढाढ़र की अंजू प्रजापत पुत्री बजरंगलाल प्रजापत ने सार्दुलशहर में आयोजित 23वीं महिला राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर अपने गांव ढाढर और चूरू जिले का नाम रोशन किया है। वरिष्ठ अध्यापक बजरंग लाल प्रजापत ने बताया कि सार्दुलशहर डिग्री कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में बेटी अंजू प्रजापत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर यह साबित कर दिया की गांव की बेटियां भी किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। अंजू प्रजापत ने बताया कि मेरे परिवार ने बॉक्सिंग में मेरी रूचि को देखते हुए मुझे आगे बढ़ाया और मैंने बॉक्सिंग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया। अंजू की माता सरोज और ताऊजी महावीर प्रसाद, हनुमान प्रसाद ने अंजू को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद प्रदान किया।

आरोपी की जमानत याचिका खारिज

सुजानगढ़, (निसं)। हवेली में दबे हुए सोने को निकालने की बात कहकर 58 लाख की धोखाधडी करने के मामले में एडीजे कोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज की है। अपर लोक अभियोजक करणीदान ने बताया कि इटली प्रवासी व सुजानगढ निवासी प्रकाश चंद माली के साथ लाडनूं निवासी नियाज पुत्र उमर खां निवासी सुजानगढ ने डीडवाना-कुचामन के लोगों के साथ मिलकर प्रकाश चंद माली को सरदाशहर ले गये। जहां पर एक हवेली से गढ्ढा हुआ धन निकालने की बात कहकर उससे 58 लाख की धोखाधडी कर ली।

पी.एम. मोदी के झुंझुनूं दौरे से गड़बड़ाया भाजपा का समीकरण

झुंझुनूं, (निसं)। ज्यों ज्यों मतदान की तारीख नजदीक आ रही है भाजपा - कांग्रेस समेत अन्य दलों के स्टार प्रचारक चुनावी दंगल में पूरी ताकत झोंक रहे हैं। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शेखावाटी के दौरे पर झुंझुनू जिला मुख्यालय पर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करके जाने से भाजपा का समीकरण जन चर्चा के अनुसार गड़बड़ाया हुआ प्रतीत हो रहा है। झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र से पूर्व में भाजपा के बागी बनकर चुनाव लड़े निषित कुमार अब भाजपा प्रत्याशी हैं। झुंझुनू विधानसभा सीट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे के बाद भाजपा खेमे में उत्साह की जगह निराशा का माहौल पनप रहा है। भाजपा प्रत्याशी निषित कुमार को कांग्रेस से लगातार तीन बार विधायक बनते रहे बृजेन्द्र ओला से कडी टक्कर है वहीं भाजपा टिकट से वंचित रहे राजेंद्र भाम्बू के निर्दलीय ताल ठोकने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है।

■ भाजपा प्रत्याशी निषित कुमार को कांग्रेस से लगातार तीन बार विधायक बनते रहे बृजेन्द्र ओला से कड़ी टक्कर है, वहीं भाजपा टिकट से वंचित रहे राजेंद्र भाम्बू के निर्दलीय ताल ठोकने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है

■ आशानुरूप भीड़ नजर नहीं आने से आमजन में चर्चा का विषय बना

झुंझुनूं में ना कार्यकर्ता एकजुट ना ही जुटी भीड़: प्रधानमंत्री मोदी की चुनावी रैली हो या अन्य किसी कार्यक्रम में आगमन भाजपा कार्यकर्ताओं की एकजुटता और उमड़ा हुआ जन सैलाब हर बार नजर आता है। रविवार को झुंझुनू जिला मुख्यालय पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में पहुंचे पीएम मोदी तो पार्टी कार्यकर्ता एकजुट नहीं दिखे वहीं आशानुरूप भीड नजर नहीं आने से आमजन में चर्चा का विषय बन गया। जिला मुख्यालय पर जनचर्चा के अनुसार लोगों का आकलन है कि 22 से 25 हजार की भीड़ मोदी की सभा में मौजूद रही वहीं भाजपा कार्यकर्ता 45 से 50 हजार की भीड़ मान रहे हैं।

अल्पसंख्यकों की भाजपा से दूरी: पीएम मोदी की अगुवाई में भाजपा सरकार को हिंदुत्व की दृष्टि से देखे जाने और अल्पसंख्यक समुदाय को विधानसभा चुनाव में टिकट न देने के चलते मुस्लिम समुदाय की भाजपा से पहले से ही दूरी बनी हुई है। वहीं भाजपा प्रत्याशी निषित कुमार द्वारा गत दिनों अल्पसंख्यक समुदाय पर की गई टिप्पणी के बाद मुस्लिम समाज में नाराजगी और गहरी हो गई। रविवार को पीएम मोदी के झुंझुनू दौरे के बाद अल्पसंख्यक समुदाय जहां कांग्रेस प्रत्याशी बृजेन्द्र ओला, भाजपा उम्मीदवार निषित कुमार तथा निर्दलीय राजेंद्र भाम्बू, पंकज धनखड़ सहित अन्य प्रत्याशियों के मध्य बटे हुए थे अब भाजपा से दूरी बनाए हुए नजर आ रहे हैं। अल्पसंख्यक समुदाय का भाजपा प्रत्याशी से खिसकना भाजपा के लिए हार का सबब बन सकता है। झुंझुनू विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक जाट मतदाता है वहीं दूसरे नंबर पर अल्पसंख्यक समुदाय का बड़ा वोट बैंक हैं।

खड़गे ने आमजन को सम्बोधित किया

हनुमानगढ़, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे सोमवार को हनुमानगढ़ दौरे पर रहे।

खड़गे ने टाउन धानमंडी में कांग्रेस गारंटी संवाद में पहुंचकर आमजन को सम्बोधित किया। खडगे बोले कि कांग्रेस की गारंटी मजबूत है। कांग्रेस जो गारंटी देती है वो निभाती है वहीं मोदी जो गारंटी देते हैं वह जुमला बन जाती है। मोदी ने वादा किया था कि विदेशों से काला धन वापस लाकर प्रत्येक व्यक्ति के खाते में 15-15 लाख रुपए जमा करवाए जाएंगे लेकिन अपने आप को देशभक्त कहने वाले प्रधानमंत्री की यह गारंटी भी जुमला निकली। आगे बोले कि चुनाव में हर तरह के लोग आते हैं। अपने-अपने विचार रखते हैं और अपनी बातें कहते हैं। लेकिन जनता को इन लोगों से पूछना चाहिए कि उन्होंने देश व अपने शहर हनुमानगढ़ के लिए क्या किया।

मालचंद सारस्वत ने गो सेवा व पौधारोपण कर मनाया जन्मदिन

नोखा, (कासं)। नोखा जन अधिकार सेना के बीकानेर जिला सचिव मालचंद सारस्वत ने अपना जन्मदिवस अनोखे अंदाज में मनाया गया जिसमे सर्वप्रथम सारस्वत ने अपने जन्मदिवस पर अलसुबह भूतनाथ मंदिर शांतिवन में भगवान भोलेनाथ की आराधना की एवं उसके बाद भूतनाथ बाबा को चढ़ने वाला बेलपत्र का पौधारोपण शांति वन में किया।

साथ ही रीको औद्योगिक क्षेत्र में गायों को हरा चारा एवं गुड़ खिलाकर अपना 42 वां जन्मदिवस सेवा कार्य करके मनाया गया। साथ ही पर्यावरण सरक्षण की शपथ दिलाकर पौधे लगाने का संकल्प लिया और जन्मदिवस पर विभिन्न तरह के सेवा कार्यों का आयोजन किया गया वही संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष कानाराम जी शर्मा प्रदेश प्रभारी हरिसिंह चौहान प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र ओझा ने सारस्वत के द्वारा अपने जन्मदिवस पर किए गए सेवाकार्यो की सहारना की और शुभकामनाएं प्रेषित की और सारस्वत ने अपने जन्मदिन पर सभी युवाओं को शपथ दिलाई की सभी अपने जन्मदिन पर अपने आसपास एक एक पेड़ अवश्य लगाए इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष कानाराम शर्मा , कार्यकारणी सदस्य शिवरतन नाई , महिला तहसील सचिव निशा प्रजापत, रणजीत सिंह, पंडित राधेश्याम महाराज,शान्ति देवी, ममता , सन्जु, नेहा, पूर्णिमा पाण्डे, राजु राठी, महेश पारीक सहित काफी संख्या में युवा शक्ति उपस्थित रहे।

फोटो -त्तीन-डी- -गो सेवा व पौधारोपण कर मालचंद सारस्वत ने जन्मदिवस मनाया।

प्रशिक्षण शिविर आयोजित

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा संचालित पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू द्वारा सोमवार को पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान का महत्व विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इसमें केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार के निर्देशन में केंद्र के डॉ विनय कुमार ने पशुपालकों को बताया की कृत्रिम गर्भाधान नस्ल सुधार के लिये एक महत्वपूर्ण तकनीक है। इसको अपनाकर नस्ल सुधार से दूध उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। भारत सरकार भी पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान पर जोर दे रही है ताकि पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान में उच्च गुणवता वाले सांडों के वीर्य का प्रयोग करके नस्ल सुधार से दूध उत्पादन में बढ़ोतरी हो ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। इसके लिये गायों और भेंसो में उच्च गुणवत्ता वाले सांडों के वीर्य का प्रयोग करके नस्ल सुधार से दूध उत्पादन को बढ़ाना है। कृत्रिम गर्भाधान वह तकनीक है जिसमें जीवित शुक्राणुओं के साथ वीर्य को नर पशु से एकत्रित किया जाता है और उपकरणों की सहायता से मद चक्र के उचित समय पर मादा पशु के प्रजनन अंग में प्रवेश कराया जाता है।

रंगोली से शत-प्रतिशत मतदान का दिया सन्देश

पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को सम्मानित किया।

खाजूवाला, (कासं)। स्वीप कार्यक्रम के तहत शत-प्रतिशत मतदान को लेकर विधानसभा मुख्यालय खाजूवाला में उपखंड प्रशासन द्वारा सोमवार को यूथ चला बूथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। खण्ड विकास अधिकारी सन्तकुमार मीणा ने राजकीय महाविद्यालय में 'सशक्त भारत निर्माण, प्रत्येक मतदाता की पहचान' विषय पर विचार गोष्ठी हुई। बालिकाओं द्वारा रंगोली के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदान का सन्देश दिया गया। इस अवसर पर प्रथम बार मतदान करने वाले युवा मतदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम तहत आयोजित स्लोगन प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेकर मतदान का संदेश दिया। वहीं कविताओं के माध्यम से भी मतदान के लिए प्रेरित किया गया। विकास अधिकारी मीणा ने दर्जनों विद्यार्थिर्यों को मतदान की शपथ दिलवाई। अधिशाषी अधिकारी सपना सोनी ने कहा कि विद्यार्थी स्वयं मतदान करें तथा आस-पास रहने वाले लोगों को भी प्रेरित करें। इस बार मतदान सुबह 7 बजे से सायं 6 बजे तक का समय रहेगा। 'हम सब का एक ही नारा, शत-प्रतिशत मतदान करे खाजूवाला हमारा' कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सुनीता ने किया।

पिछला एक महीना और कुछ दिन इस टीम के साथ बहुत खास रहे हैं, जो यादें हमने बनाईं जो कुछ हमने महसूस किया, वो हमारे साथ हमेशा रहेगा। आपके कभी ना मिटने वाले प्यार और सपोर्ट के लिए शुक्रिया। - ईशान किशन

भारतीय खिलाड़ी, इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सूर्यकुमार यादव

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया का कप्तान बनाया जा सकता है, जबकि के हेड वीपीएस लक्ष्मण कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने दावा किया है कि टीम में आयरलैंड दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा रहे अधिकांश खिलाड़ियों को जगह मिल सकती है, जबकि उस दौरे के कप्तान जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज 23 नवंबर से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। यह सीरीज बेंगलुरु में 3 दिसंबर को समाप्त होगी।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

वर्ल्ड चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया को मिले 33 करोड़

भारत को 16.65 करोड़ से संतोष करना पड़ा

अहमदाबाद, 20 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार वनडे वर्ल्ड कप जीत लिया है। टीम ने फाइनल मुकाबले में भारत को 6 विकेट से हराया। रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने 241 रन का टारगेट 43 ओवर में 4 विकेट पर चेज कर दिया। वर्ल्ड कप जीतने पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 33.31 करोड़ रुपए (4 मिलियन डॉलर) की इनामी राशि मिली, जबकि फाइनल हारने वाली टीम इंडिया को 16.65 करोड़ रुपए (2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) से संतोष करना पड़ा। सेमीफाइनल हारकर बाहर होने वाली न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका को 6.66 करोड़ रुपए (800,000 अमेरिकी डॉलर) मिले। वर्ल्ड कप के लीग स्टेज से बाहरी होने वाली पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, इंग्लैंड और नीदरलैंड को 83.29-83.29 लाख रुपए मिले। इसके अलावा, टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी टीम को हर जीत पर करीब 33 लाख रुपए मिले।

हार के बाद रोहित भावुक, सिराज को साथियों ने संभाला

विराट कोहली निराश दिखे, अनुष्का ने गले लगाया

नई दिल्ली, 20 नवंबर। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से हराया और छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर ऑलआउट हो गई। 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। फाइनल मुकाबले से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने विराट कोहली को अपनी जर्सी दी। वहीं, ट्रेविस हेड ने शानदार कैच लिया। मैच के दौरान एक फिलिस्तीन समर्थक मैदान में घुस आया। वहीं, दूसरी पारी में स्मिथ रिव्यू नहीं लेने की वजह से आउट हो गए और लाबुशेन को जीवनदान मिला। फाइनल में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा, मोहम्मद सिराज समेत भारतीय टीम के खिलाड़ी आंसुओं में दिखे, जबकि विराट कोहली भी उदास लग रहे थे। वे मैच के बाद बॉक्स में पत्नी अनुष्का से मिले तो उन्होंने गले लगा लिया। सचिन तेंदुलकर ने वर्ल्ड कप 2023 फाइनल से पहले विराट कोहली को अपनी जर्सी दी, जो उन्होंने अपने आखिरी वनडे में पहनी थी। जर्सी पर सचिन ने साइन किए। जर्सी के साथ ही सचिन ने विराट को एक लेटर भी दिया, जिसमें लिखा- विराट आपने हमें गौरवान्वित किया है। सचिन ने भारत के लिए आखिरी वनडे 18 मार्च 2012 को पाकिस्तान के खिलाफ खेला था। इस मैच में विराट कोहली ने 183 रन बनाए थे। सचिन अपनी आखिरी पारी में 52 रन बनाकर आउट हो गए थे।

कोच के रूप में अपने भविष्य पर नहीं सोचा : द्रविड़

अहमदाबाद, 20 नवंबर। राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनका सारा ध्यान विश्वकप अभियान पर रहा उन्होंने मुख्य कोच पद पर बने रहने के बारे में नहीं सोचा, लेकिन समय मिलने पर वह ऐसा करेंगे। विश्वकप फाइनल मुकाबले के ऑस्ट्रेलिया से हार मिलने के बाद रविवार देर रात संवाददाता सम्मेलन में पूछे गये सवाल के जवाब में द्रविड ने कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सोचा है। मैं अभी खेल खेलकर आया हूं। मेरे पास इस बारे में सोचने का समय नहीं है और न ही इस पर विचार करने का समय है। हां, जब मुझे ऐसा करने का समय मिलेगा तब मैं ऐसा करूंगा। लेकिन अभी इस समय, मैं पूरी तरह से विश्वकप अभियान पर केंद्रित था, और मेरे दिमाग में और कुछ नहीं था। और मैंने भविष्य में क्या होगा इसके बारे में कोई अन्य विचार नहीं किया है। जब उनसे उनकी कोचिंग के दो वर्षो के वर्षो के कार्याकाल के बारे में पूछा गया तो द्रविड़ ने कहा कि वह ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जो खुद का मूल्यांकन और विश्लेषण करेंगे, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें खिलाड़ियों के साथ काम करने पर वास्तव में गर्व है। उन्होंने कहा, मेरे पास इसके बारे में सोचने का समय नहीं है। मेरा मतलब है, मैं अभी-अभी वहां एक खेल से बाहर आया हूं, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो मैंने वास्तव में इसके बारे में नहीं सोचा है और ईमानदारी से कहूं तो मैं वास्तव में कोई ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो स्वयं को परखने और विश्लेषण करने के लिए जा रहा हो।

रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और इंडियन ऑयल के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नई दिल्ली, 20 नवंबर। वंदना कटारिया के नेतृत्व वाला रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मंगलवार को तीसरी हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के खिताब के लिये इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन से भिड़ेगी। शिवाजी स्टेडियम में तीसरे और चौथे स्थान के लिये सशस्त्र सीमा बल का सामना भारतीय खेल प्राधिकरण से होगा। रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड ने पहले सेमीफाइनल में अपना दबदबा दिखाते हुए सशस्त्र सीमा बल को 5-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। गतिशील भारतीय ड्रैग-फ़्लिकर, गुरजीत कौर ने पेनल्टी कॉर्नर से शुरुआती गोल (5) के साथ माहौल तैयार किया। कप्तान वंदना कटारिया ने शानदार फील्ड गोल (11) के साथ अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम की बत् दोगुनी हो गई। नवनीत कौर (37), प्रीति दुबे (45) और संगीता कुमारी (59) ने गोल करने का सिलसिला जारी रखा। दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने भारतीय खेल प्राधिकरण पर 3-0 से शानदार जीत हासिल की। शर्मिला देवी (22) ने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से स्कोरिंग की शुरुआत की।

46 दिन के वर्ल्डकप में 45 दिन भारत के

फाइनल भले ही हारे, बैटिंग में विराट-रोहित टॉप पर, शमी ने सबसे ज्यादा विकेट लिए

अहमदाबाद, 20 नवंबर। भारत भले ही वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार गया, लेकिन 46 दिन चले इस टूर्नामेंट में 45 दिन चैंपियन रहा। कुल 11 मैच खेले, इनमें से 10 मैच जीतने वाली टीम इंडिया इकलौती टीम है। इस वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में भारत के विराट कोहली टॉप पर और रोहित शर्मा दूसरे नंबर पर रहे। विराट ने 765 और रोहित ने 597 रन बनाए। शमी ने सबसे ज्यादा 24 विकेट लिए।

विराट कोहली ने फाइनल में 54 रन की पारी खेली। इसी के साथ उन्होंने इस वर्ल्ड कप को 765 रन के साथ खत्म किया। वह एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। दूसरे नंबर पर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 2003 में 673 रन बनाए थे।

विराट कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में सेंचुरी लगाई, जो उनके वनडे करियर की 50वीं सेंचुरी रही। विराट के नाम वनडे में सबसे ज्यादा शतक का रिकॉर्ड हो गया, उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। जिनके नाम 49 वनडे शतक हैं।

मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट लेने के साथ ही वर्ल्ड कप में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने महज 17 पारियां लीं, जो टूर्नामेंट इतिहास में सबसे तेज है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 19 पारियों में 50 विकेट लिए थे। शमी इस वर्ल्ड कप में 24 विकेट के साथ टॉप पर रहे।

विराट वनडे में 50 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने। उन्होंने सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन से 173 पारियां कम लगीं। भारत ने सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 397 रन का स्कोर बनाया था। यह वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट मैच का सबसे बड़ा स्कोर रहा। इससे पहले, यह रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के नाम दर्ज था। न्यूजीलैंड ने 2015 के वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफा 393 रन का स्कोर बनाया था। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में 597 रन बनाए। वह फाइनल में 47 रन बनाकर आउट हुए और इसी के साथ टूर्नामेंट में उनकी आक्रामक बैटिंग का सफर खत्म हुआ। वह एक वर्ल्ड कप में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। रोहित ने न्यूजीलैंड के केन विलियमसन का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2019 में बतौर कप्तान 578 रन बनाए थे।

रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में 3 सिक्स लगाए। इसी के साथ टूर्नामेंट में उनके 31 सिक्स भी हो गए। वह एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2015 के वर्ल्ड कप में 26 सिक्स लगाए थे। 2023 के वर्ल्ड कप में रोहित ने 31 सिक्स लगाए। इससे पहले उन्होंने 2015 और 2019 के टूर्नामेंट में 23 छक्के लगाए थे, इस तरह उनके वर्ल्ड कप में 54 सिक्स हो गए। रोहित वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने यहां भी क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 35 पारियों में 49 सिक्स लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 में कप्तानी कर सकते हैं सूर्यकुमार

लक्ष्मण को कोच बनाया जा सकता है, बुमराह को आराम मिल सकता है

नई दिल्ली, 20 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 टी-20 मैचों की सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव को टीम इंडिया का कप्तान बनाया जा सकता है, जबकि के हेड वीपीएस लक्ष्मण कोच की भूमिका में नजर आ सकते हैं। क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने दावा किया है कि टीम में आयरलैंड दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा रहे अधिकांश खिलाड़ियों को जगह मिल सकती है, जबकि उस दौरे के कप्तान जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज 23 नवंबर से शुरू हो रही है। पहला मुकाबला विशाखापट्टनम में खेला जाएगा। यह सीरीज बेंगलुरु में 3 दिसंबर को समाप्त होगी। एक दिन पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारत को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले में 6 विकेट से हराया है। कंगारू टीम ने छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। भारतीय टीम अपने घरेलू मैदानों पर पिछली 13 टी-20 सीरीज से नहीं हारा है। टीम को आखिरी हार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2019 में मिली थी। तब कंगारू टीम ने 2 मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया था। वर्ल्ड कप से पहले, टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के भारत दौरे की वनडे सीरीज 2-1 से जीती। टीम ने मोहाली में पहले वनडे मुकाबले में कंगारुओं को 5 विकेट से, फिर इंदौर में 99 रन की जीत से 2-0 की बढ़त ली। राजकोट में टीम इंडिया को 66 रन की हार का सामना पड़ा।

मोदी ने ड्रेसिंग रूम में शमी को गले लगाया, हार के बाद खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया

अहमदाबाद, 20 नवंबर। रविवार को वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को छह विकेट से हराया और छठी बार वर्ल्ड चैंपियन बनी। फाइनल में हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में पहुंचे। वहां वे खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाते दिखे।

इस दौरान ने मोहम्मद शमी को गले भी लगाया। टीम के तेज गेंदबाज शमी और स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने इस मुलाकात की फोटो शेयर की हैं। फाइनल मैच को देखने के लिए प्रधानमंत्री अहमदाबाद पहुंचे थे। वे मैच की दूसरी इनिंग में नरेंद्र मोदी स्टेडियम पहुंचे। मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ पैट कमिंस को वर्ल्ड कप 2023 की ट्रॉफी सौंपी।

जडेजा ने मोदी के साथ फोटो शेयर की और उसके कैप्शन में लिखा, हमारा टूर्नामेंट बहुत अच्छा था, लेकिन कल हम हार गए। हम सभी दुखी हैं, लेकिन लोगों का सपोर्ट हमें आगे बढ़ा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कल ड्रेसिंग रूम में आना विशेष और बहुत प्रेरणादायक था। शमी ने भी मोदी के साथ फोटो शेयर की है। शमी ने फोटो के साथ लिखा, बदकिस्मती से कल हमारा दिन नहीं था।

इस पूरे टूर्नामेंट के दौरान हमारी टीम और मेरा समर्थन करने के लिए मैं सभी भारतीयों को धन्यवाद देना चाहता हू। मोदी को ड्रेसिंग रूम में आकर हमारी हौसला अफजाई करने के लिए हम सभी शुक्रगुजार हैं। हम निश्चित ही फिर वापसी करेंगे। भारत को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में 6 विकेट की करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस हार ने भारतीय फैंस को 2003 वर्ल्ड कप फाइनल की याद दिला दी। 20 साल पहले कंगारुओं ने हमें जोहान्सबर्ग में 125 रन से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए पाकिस्तानी टेस्ट टीम घोषित

शान मसूद नए कप्तान, बाबर-शाहीन भी स्क्वॉड में, सीरीज 14 से

इस्लामाबाद, 20 नवंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टेस्ट टीम का ऐलान कर दिया है। शान मसूद को टीम का नया कप्तान बनाया गया है, जबकि पूर्व कप्तान बाबर आजम और टी-20 टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी को 18 मेंबर्स की टीम में जगह दी गई है। भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने इस्तीफा दे दिया था।

पाकिस्तानी टीम को 14 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया में 3 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में 14 से 18 दिसंबर, दूसरा मेलबर्न में 26 से 30 दिसंबर और तीसरा सिडनी में 3 से 7 जनवरी के बीच खेला जाएगा।

पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर पिछले 24 साल से टेस्ट मैच नहीं जीती है। टीम ने कंगारुओं के घर में अब तक 37 टेस्ट खेले हैं। इनमें से 4 में टीम को जीत मिल, जबकि 26 मुकाबले गंवाए। 7 मैच ड्रॉ रहे हैं।

टॉप ऑर्डर बैटर साइम अयूब और मीडियम पेसर खुर्रम शहजाद पहली बार टेस्ट टीम में चुने गए हैं। लेफ्टी बैटर अयूब ने 8 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 123.00 के स्ट्राइक रेट से 123 रन बनाए हैं, जबकि फर्स्ट क्लास क्रिकेट में उनका एवरेज 46.47 का है। अयूब ने 14 फर्स्ट क्लास मैचों में 3 शतक और 3 अर्धशतक के सहारे 1069 रन बनाए।

पाकिस्तानी टेस्ट टीम में फहीम अशरफ, मीर हमजा और मोहम्मद वसीम जूनियर की वापसी हुई है। बांए हाथ के तेज गेंदबाज और टी-20 टीम के कप्तान शाहीन शाह अफरीदी को भी टीम में शामिल हैं।

भारत में खेले गए वनडे वर्ल्ड कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने सभी फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी। उसकी जगह शान मसूद को टेस्ट और शाहीन शाह अफरीदी को टी-20 टीम का कप्तान बनाया गया था। वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम 9 में से 4 मैच ही जीत सकी और लीग स्टेज से बाहर हो गई।

वर्ल्ड कप के बाद टीम के टीम डायरेक्टर कोच मिकी आर्थर और चयनकर्ता इंजमाम उल हक ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था। बाद में पूर्व ऑलराउंडर मोहम्मद हफीज और पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज को चीफ सिलेक्टर बनाया गया। शान मसूद (कप्तान), अमिर जमाल, अब्दुल्लाह शफीक, अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, हसन अली, इमाम-उल-हक, खुर्रम शहजाद, मीर हमजा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम जूनियर, नौमान अली, साइम अयूब, सलमान अली आगा, सरफराज अहमद (विकेटकीपर), सऊद शकील और शाहीन शाह अफरीदी।

दावा : मोदी ने कमिंस को बेमन से सौंपी ट्रॉफी, हाथ भी नहीं मिलाया

नई दिल्ली, 20 नवंबर। वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराया और छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। अहमदाबाद में हुए इस मैच को देखने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी स्टेडियम में पहुंचे थे। इस बीच वर्ल्ड कप फाइनल से जुड़े कई फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इन्हीं में से एक वीडियो क्लिप है जिसमें मोदी ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ पैट कमिंस को वर्ल्ड कप 2023 की ट्रॉफी सौंपते नजर आ रहे हैं। इस क्लिप के साथ दावा किया जा रहा है कि मोदी ने कमिंस को बेमन से वर्ल्ड कप की ट्रॉफी सौंपी, यहां तक कि उन्होंने क्रिकेटर से हाथ भी नहीं मिलाया और मुंह फेरकर चले गए। पाकिस्तानी जर्नलिस्ट वजाहत काजमी ने पर की गई अपनी पोस्ट में लिखा- भारत ने खुद को सबसे डिसग्रेसफुल होस्ट साबित किया! (अर्काइव पोस्ट)। काजमी ने 4 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है जिसमें पीएम मोदी और ऑस्ट्रेलियाई उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स मंच से जाते दिखाई दे रहे हैं।

सविता तीसरी बार सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के अवार्ड के लिये नामांकित

बेंगलुरु, 20 नवंबर। वर्ष 2021 और 2022 में एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को इस साल के एफआईएच हॉकी स्टार्स अवार्ड्स में एक ही श्रेणी में लगातार तीसरी बार नामांकित किया गया है। इस बारे अपनी खुशी का इजहार करते हुये सविता ने मिले सम्मान को टीम को समर्पित किया और कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं लगातार दो वर्षों तक यह पुरस्कार जीतूंगी, और फिर से नामांकित हो जाऊंगी। मैं वास्तव में बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं और यह मेरे, मेरे परिवार और मेरे साथियों के लिए भी गर्व का क्षण है।

हेड-लाबुशेन की पार्टनरशिप ने छीना मैच : रोहित

अहमदाबाद, 20 नवंबर। वर्ल्ड कप के फाइनल में टीम इंडिया की हार पर कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हमने 20 से 30 रन कम बनाए। आज हमारा दिन नहीं था और हमने अच्छी बैटिंग नहीं की। रोहित ने हेड-लाबुशेन की शतकीय साझेदारी को ऑस्ट्रेलिया की जीत का श्रेय दिया। उन्होंने कहा- हेड-लाबुशेन की पार्टनरशिप ने मैच को हमसे दूर किया। दोनों की साझेदारी ने हमें खेल से पूरी तरह बाहर कर दिया। मैच के बाद भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा- हमने गलत टाइम पर विकेट गंवाए। पहले रोहित, फिर विराट और लास्ट में राहुल बहुत गलत टाइम पर आउट हो गए। बाद में छठे बॉलर की कमी महसूस हुई।

आज हमारा दिन नहीं था, लेकिन गेम-1 से जैसा हमने खेला, टीम की परफॉर्मेंस से खुश हूं। राहुल और विराट जब बैटिंग कर रहे थे, तब हमें लगा कि 270 तक का स्कोर ठीक रहेगा। पारी खत्म होने के बाद लगा कि हमने 20 से 30 रन कम बनाए। हम जितनी कोशिश कर सकते थे, उतनी कोशिश की। पिच भी दूसरी पारी में बैटिंग के लिए आसान हो गई। हमें पता था कि पिच दूसरी पारी में अच्छी हो जाएगी, लेकिन हमने बैटिंग में निराश किया।

कमिंस बोले- हमने हमारा बेस्ट लास्ट मैच के लिए बचा कर रखा। हमने पूरे टूर्नामेंट में पहले बैटिंग की, आज सोचा कि दूसरी पारी में बैटिंग आसान होगी। पिच बहुत स्लो थी, हमने जितनी स्पिन सोची थी, उतनी स्पिन हुई नहीं। इस तरह के स्लो विकेट पर स्लोअर बॉल और बाउंसर का ही इस्तेमाल सही रहता है। हम 300 के अंदर टीम को रोकना चाहते थे, 240 पर रोक कर हम खुश थे। मेडिकल टीम और सिलेक्टर्स के कारण ट्रैविस हेड खेल पाए। क्राउड शानदार था, भारत में क्रिकेट देखने का पैशन बेहतरीन है। ओपनर्स ने बेहतरीन परफॉर्म किया, शुरुआती 2 मैच हारने के बाद ट्रॉफी जीतना मुझे लम्बे समय तक याद रहेगा।

भारतीय टीम के चीफ कोच राहुल द्रविड़ ने कहा- हमारा दिन खराब रहा। टीम के ओवरऑल प्रदर्शन से खुश हूं। इस पूरे टूर्नामेंट में जिस तरह का क्रिकेट हमने खेला, टीम ने सब को प्राउड फील कराया। फाइनल में हम अपना बेस्ट गेम नहीं खेल सके। पिछले 2 साल में जिन प्लेयर्स के साथ मैंने काम किया, उनके प्रदर्शन से बहुत स्पेशल महसूस किया।

ऑस्ट्रेलिया अच्छी टीम है, वो 8 लगातार जीत के साथ फाइनल खेलने पहुंचे। ड्रेसिंग रूम में निराशा है, प्लेयर्स और सपोर्ट स्टाफ निराश है। कुछ टाइम बाद जब इस परफॉर्मेंस पर नजर डालेंगे, तो टूर्नामेंट में खुद के प्रदर्शन से खुश ही होंगे। 2027 वर्ल्ड कप के बारे में नहीं सोच रहा 2027 वर्ल्ड कप के बारे में अभी नहीं सोच रहा। उसके लिए बहुत ज्यादा टाइम है। मुझे लगा हमने 30 से 40 रन कम बनाए। दोपहर में गेंद बहुत रुक कर आ रही थी। दूसरी पारी में इतनी ज्यादा ओस नहीं थी।

जोकोविच ने सिनर को हराकर सातवीं बार जीता एटीपी फाइनल का खिताब

टयूरिन, 20 नवंबर। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए इटली के यानिक सिनर को सीधे सेटों में हराकर रिकॉर्ड सातवीं बार एटीपी फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। इस के साथ दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जोकोविच ने सत्र के आखिर की चैंपियनशिप में रोजर फेडरर के करियर के छह खिताबों के पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। जोकोविच ने एक घंटा 43 मिनट तक चले मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी सिनर को 6-3, 6-3 से से हराया।

वर्ल्डकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में 6 भारतीय, रोहित कप्तान

12 प्लेयर्स में ऑस्ट्रेलिया के 2, पाकिस्तान का एक भी नहीं

नई दिल्ली, 20 नवंबर। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वर्ल्ड कप 2023 की टीम ऑफ द टूर्नामेंट का ऐलान कर दिया है। इस टीम के कप्तान रोहित शर्मा हैं, जिन्होंने इस टूर्नामेंट में लगातार 10 मैच अपनी टीम को जिताए। इस लिस्ट में सबसे ज्यादा 6 भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के दो खिलाड़ियों को जगह मिली है। इसके अलावा श्रीलंका, न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ी को जगह दी गई है। बता दें कि ऑस्ट्रेलिया रविवार को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में भारत को 6 विकेट से हराकर छठी बार चैंपियन बना है। क्विंटन डी कॉक , रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, डेरिल मिचेल, केएल राहुल, ग्लेन मैक्सवेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, दिलशान मदुशंका, एडम जम्पा और जेराल्ड कूट्जी। साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज ग्रुप स्टेज के दौरान शानदार फॉर्म में थे, उन्होंने चार शतक बनाए, जिसमें वानखेड़े स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ 174 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। डी कॉक ने पूरे टूर्नामेंट में 107.02 की स्ट्राइक रेट से 594 रन बनाए। टूर्नामेंट में विकेटकीपर चुने गए डी कॉक ने सबसे ज्यादा 20 डिसमिसल किए हैं। टीम इंडिया के कप्तान और ओपनर रोहित शर्मा ने मेजबान टीम के लिए इस वर्ल्ड कप में 597 रन बनाए। रोहित इस टूर्नामेंट में रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं विराट कोहली टॉप पर हैं। विराट कोहली ने फाइनल में 54 रन की पारी खेली। इसी के साथ उन्होंने इस वर्ल्ड कप को 765 रन के साथ खत्म किया। वे एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने। दूसरे नंबर पर भारत के ही सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने 2003 में 673 रन बनाए थे। कोहली टूर्नामेंट की 11 पारियों में से केवल दो बार 50 से ज्यादा का स्कोर पार नहीं कर पाए, बाकी 9 परियों में उन्होंने तीन शतक और 6 अर्धशतक लगाए। न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में डेरिल मिचेल की अहम भूमिका रही। उन्होंने नौ पारियों में 69 के औसत और 111.06 के स्ट्राइक रेट से 552 रन बनाए। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने 134 रन की जुझारू पारी खेली। टीम इंडिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज राहुल ने 11 मैचों में 452 रन बनाए। इसमें नीदरलैंड के खिलाफ 102 रन और लीग स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी शामिल है। 31 साल के खिलाड़ी ने वर्ल्ड कप में 75.33 की औसत से बल्लेबाजी की, जो टूर्नामेंट के दौरान किसी भी बल्लेबाज के लिए तीसरा बेस्ट है। ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने नीदरलैंड के खिलाफ 40 बॉल पर शतक लगा दिया था। जो टूर्नामेंट इतिहास का सबसे तेज शतक रहा। वहीं अफगानिस्तान के खिलाफ मैक्सवेल ने 128 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 201 रन बनाए। उन्होंने इस पारी के दौरान 21 चौके और 10 छक्के लगाए। भारत के स्टार ऑलराउंडर जडेजा ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 16 विकेट चटकाए और बल्ले से 120 रन बनाए। उनका इकोनॉमी रेट टूर्नामेंट में सबसे बेहतर में से एक रहा, जो प्रति ओवर 4.25 था बुमराह ने वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया और बेहद किफायती रहे। वे बेस्ट इकोनॉमी रेट में दूसरे नंबर पर रहे। उनसे आगे भारत के ही आर अश्विन हैं। बुमराह ने 11 मैचों में 20 विकेट लिए। श्रीलंका के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज दिलशान मदुशंका ने 9 मैचों में 21 विकेट लिए। वे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर रहे। उनका इस वर्ल्ड कप का बेस्ट बॉलिंग फिगर 5/80 रहा, जो भारत के खिलाफ था।

प्रियंका ने कहा, कांग्रेस विकास करती है, भाजपा जाति धर्म के नाम पर वोट मांगती है

पायलट बोले, जब कांग्रेस महंगाई की बात करती है तो भाजपा भारत-पाकिस्तान और मंदिर-मस्जिद याद करती है

क़ेकड़ी में प्रियंका गाँधी और सचिन पायलट ने रघु शर्मा के समर्थन में जनसभा की।

- **केकड़ी में कांग्रेस प्रत्याशी रघु शर्मा के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया, प्रियंका गांधी और सचिन पायलट ने।**
- **सभा में रघु शर्मा की पत्नी वीरा शर्मा ने प्रियंका को चुनरी ओढ़ाई। हैलीपैड से सभास्थल तक प्रियंका गांधी और पायलट पर 51 जे.सी.बी. से पुष्प वर्षा की गई।**

केकड़ी, 20 नवम्बर (निसं)। सोमवार को केकड़ी के पटेल मैदान में कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रघु शर्मा के समर्थन में आयोजित आमसभा में कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, भाजपा की नीतियां जनता की कमर तोड़ रही हैं। राजस्थान सरकार ने भाजपा की नीतियों से आपको बचाकर रखा है। केकड़ी में विकास के अभूतपूर्व काम हुए हैं। केकड़ी जिला बना, यहां 400 बैड का अस्पताल बना। इसी विकास के आधार पर कांग्रेस पार्टी आपसे वोट मांग रही है।

आमसभा में प्रियंका गांधी ने सबसे पहले स्थानीय देवी-देवताओं को नमन किया। उन्होंने कहा कि, त्योहार में जैसे हम पूजा करते हुए घर की सफाई करते हैं, वैसे ही जब चुनाव का समय आता है तो यहां भी सफाई जरूरी है। मोदी जी कहते हैं कांग्रेस के नेता एक दूसरे को रन आउट करने में लगे हुए हैं। जबकि सच्चाई यह है कि, राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी खुद ही हिट विकेट है। इनकी पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई है। ये दूरबीन से पूरे राजस्थान में ढूंढ रहे हैं कि, हमारा नेता कौन बन सकता है। लेकिन इन्हें कुछ भी नहीं सूझ रहा। कांग्रेस विकास की बात करती है, जबकि भाजपा जाति व धर्म के नाम पर वोट मांगती है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि, जो सरकार चल रही है उसने अच्छे काम किए हैं या नहीं, इन सब बातों का हमें आकलन करना है। आप सभी हमारी और भाजपा के नेताओं की बात सुनें और देखें किसमें कितना वजन है। उन्होंने कहा कि, राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने किसानों का 15 हजार करोड़ रुपए का कर्जा माफ किया। भाजपा ने देश की सम्पत्ति बड़े-बड़े उद्योगपतियों को दे दी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाएं बंद हो जाएगी।

सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि, केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण किसान, नौजवान, महिला, मध्यम वर्ग सभी परेशान हैं। जब हम महंगाई की बात करते हैं तो भाजपा भारत-पाकिस्तान करती है। जब हम नौजवान व किसान की बात करते हैं तो भाजपा को मंदिर और मस्जिद याद आता है। आने वाले 25 नवम्बर को प्रदेश का भविष्य तय होगा। हम सब को मिलकर निर्णय करना है कि, नौजवान व किसान का भविष्य क्या हो।

कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि, पिछले पांच साल में केकड़ी में विकास की गंगा बही है। विकास की इसी गति को बरकरार रखने के लिए प्रदेश में एक बार फिर से कांग्रेस की सरकार बनानी होगी।

प्रियंका गांधी व सचिन पायलट का शानदार स्वागत किया। रघु शर्मा ने प्रियंका गांधी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। रघु शर्मा की पत्नी वीरा शर्मा ने प्रियंका गांधी को चुनरी ओढ़ाई। इस मौके पर युवा नेता एवं पी.सी.सी. सदस्य सागर शर्मा तथा क्षेत्र के सभी प्रमुख कांग्रेस नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन जिला कांग्रेस महासचिव रतन पवार ने किया।

प्रियंका गांधी व सचिन पायलट अलग-अलग हैलीकॉप्टर से केकड़ी पहुंचे और अजमेर रोड़ स्थित राजकीय महाविद्यालय में बनाए गए अस्थाई हैलीपेड पर उतरे।

यहां से सड़क मार्ग से, सभा स्थल गए। इस दौरान रास्ते में जगह- जगह लोगों ने उनका स्वागत किया और 51 जे.सी.बी. से पुष्प वर्षा की गई। रास्ते में प्रियंका गांधी व सचिन पायलट को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ मौजूद थी। केकड़ी में जनसभा के बाद प्रियंका गांधी व सचिन पायलट जहाजपुर के लिए रवाना हो गए।

चुनाव वाले पांच राज्यों में 1760 करोड़ रू. की नकदी, माल-असबाब जब्त

नयी दिल्ली, 20 नवंबर। भारतीय निर्वाचन आयोग ने बताया कि, पांच राज्यों में इस समय चल रहे विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद उसने इन राज्यों में अब तक कुल 1760 करोड़ रुपये की नकदी, शराब और मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए उन्हें मुफ्त दिये जाने वाले सामान जब्त किये हैं। आयोग ने एक विज्ञिप्त में बताया कि, यह जब्ती प्रवर्तन एजेंसियों के सहयोग और समन्वय के साथ की गयी है। इन कार्रवाइयों में सबसे अधिक नकदी तेलंगाना में और सबसे कम (शून्य) नकदी मिज़ोरम में पकड़ी गयी है। इन राज्यों में इस बार की गयी जब्ती इन्हीं पांचों राज्यों में 2018 में कराये गये राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान इस तरह की जब्ती की तुलना में करीब सात गुना है। प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 373 करोड़ रुपये की नकदी, 215 करोड़ रुपये की शराब, 245 करोड़ रुपये की ड्रग, 371 करोड़ रु. की बहुमूल्य धातुयें, 556 करोड़ रुपये के मुफ्त बांटने के सामान जब्त किये हैं। राजस्थान में 93.17 करोड़ रुपये की नकदी, 51.29 करोड़ की जब्त किये हैं। राजस्थान में 93.17 करोड़ रुपये की नकदी, 51.29 करोड़ की शराब,91.71 करोड़ रु. के ड्रग्स, 73. 36 करोड़ रु. के सामान पकड़े गये हैं।

चुनाव जीतने के मामले में बेहद खराब ट्रैक रिकॉर्ड रहा है कांग्रेस के मंत्रियों का

- **गहलोत सहित 2003 में सिर्फ 7 और 2013 में मात्र पांच मंत्री ही चुनाव जीत पाए थे।**
- **इस बार भी जितने भी मंत्री चुनाव मैदान में हैं, उनमें 5 के अलावा सभी की हालत खराब है।**

जयपुर, 20 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में पिछले 20 सालों के चुनाव का एक ट्रेंड रहा है कि कांग्रेस सरकार में जितने भी मंत्री होते हैं, वे अगले चुनाव में अगर फिर से पार्टी उम्मीदवार के तौर पर मैदान में जाते हैं, तो अधिकांश चुनाव हार जाते हैं। वर्ष 1998 में जीतकर मंत्री बने नेताओं और 2008 से 2013 की कांग्रेस सरकार में मंत्री बने नेताओं का ट्रैक रिकार्ड देखें, तो जीतने वाले मंत्रियों की संख्या 20- 25 प्रतिशत के लगभग ही है।

इस बार की बात करें तो कांग्रेस सरकार के तीन मंत्री चुनाव मैदान से बाहर है हेमाराम चौधरी, लालचन्द्र कटारिया और महेश जोशी। हेमाराम चौधरी और लालचंद कटारिया ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था और महेश जोशी का टिकट पार्टी ने काट दिया। बाकी जो मंत्री चुनाव लड़ रहे हैं, उनमें से भी अधिकांश कांटे के मुकाबले में फंसे हुए हैं। वर्ष 1998 में कांग्रेस की सरकार में मंत्री रहे नेता जब 2003 में चुनाव लड़ने गए, तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सिर्फ 7 मंत्री चुनाव जीत पाए थे।

दोनों उपमुख्यमंत्री कमला बेनीवाल और बनवारी लाल बैरवा सहित अधिकांश मंत्री चुनाव हार गए थे। इसी तरह 2008 में फिर कांग्रेस की सरकार बनी और सरकार में मंत्री बनने वाले नेता जब 2013 में चुनाव मैदान में उतरे तो जीतकर आने वाले मंत्रियों की संख्या सिर्फ पांच रह गई थी और बाकी सभी चुनाव हार गए थे। अब 2023 विधानसभा चुनाव में मतदान में 5 दिन ही बाकी रहे हैं और राजस्थान में चुनाव लड़ रहे मंत्रियों की स्थिति पर नजर डालें, तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, मंत्री प्रमोद जैन भाया, प्रताप सिंह खाचरियावास, उदयलाल आंजना, बृजेंद्र ओला और मुरारी लाल मीणा ही सहज स्थिति में नजर आ रहे हैं। अधिकांश मंत्रियों की स्थिति बहुत ही खराब है कई मंत्री तो त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे हुए हैं। राजस्थान में कांग्रेस के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी भी नज़र आ रही है, इसलिए यह देखना काफी महत्वपूर्ण होगा कि जिस तरह से 2003 और 2013 में कांग्रेस सरकार के अधिकांश मंत्री चुनाव हार गए थे क्या इस बार भी वही स्थिति होगी।

'क्या कोई राज्यपाल किसी विधेयक पर मंजूरी को रोक कर बैठे रह सकता है'

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडू के राज्यपाल के खिलाफ दायर की गई, वहां की सरकार की याचिका की सुनवाई करते हुए सवाल उठाया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **चीफ जस्टिस डी. वाय. चन्द्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने पूछा कि, क्या विधेयक को विधानसभा में पुनः नहीं भेजना राज्यपाल का जायज़ कदम है।**

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने आज एक कानूनी मुद्दा उठाते हुए आज प्रश्न किया कि ''क्या कोई राज्यपाल किसी विधेयक को विधानसभा में पुन: भेजे बिना उस पर अपनी स्वीकृति को रोककर बैठे रह सकता है? विधेयकों को मंजूरी देने में विलम्ब करने को लेकर तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई पुन: शुरु की। इस दौरान उसने तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि के लिए कड़े सवाल किए।

शीर्ष अदालत ने पंजाब और केरल की सरकारों द्वारा दायर इसी तरह की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पूछा ''ये विधेयक वर्ष 2020 से लम्बित है। यह तीन साल से क्या कर रहे हैं?

चीफ जसिटस डी.वाय. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की एक बैंच ने सीनियर एडवोकेट के.के. वेणुगोपाल के निवेदन पर गौर किया, जिसमें राज्यपाल पर आरोप लगाया गया था कि उन्होंने आठ विधेयकों को अपनी मंजूरी प्रदान करने में विलम्ब किया है।

राज्यपाल रवि द्वारा दस विधेयकों को लौटाने के कुछ दिन बाद कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जतायी। इनमें से दो विधेयक तो पूववर्ती ए.आई.ए.डी.एम.के. सरकार के कार्यकाल में पारित किए गए थे। उसके बाद तमिलनाडु विधानसभा का गत शनिवार को एक विशेष सत्र आयोजित कर सभी दसों विधेयकों को पुन: स्वीकार कर राज्यपाल की मंजूरी के लिए वापस भेजा गया। कोर्ट ने इस घटनाक्रम पर आज सुबह गौर करते हुए कहा कि ''विधानसभा ने विधेयक पुन: पारित कर राज्यपाल के पास भेजे हैं। देखते हैं वह अब क्या करते हैं।'' कोर्ट ने यह टिप्पणी कर इस प्रकरण में आगामी 1 दिसम्बर तक के लिए सुनवाई स्थगित कर दी।

कोर्ट ने टिप्पणी की कि विधेयकों के पुन: पारित होने पर उनकी अहमियत वित्त विधेयकों के समान ही हो जाती है।

तमिलनाडु सरकार ने भाजपा द्वारा नियुक्त राज्यपाल पर विधेयकों की मंजूरी में जानबूझकर विलम्ब करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह एक निर्वाचित सरकार को कमजोर कर राज्य के विकास को अवरूद्ध कर रहे हैं।

सत्तारूढ़ द्रमुक ने कोर्ट में कहा कि राज्यपाल विधेयकों को स्वीकृत करने में जानबूझकर विलम्ब कर जनभावना की अनदेखी कर रहे है। डी.एम.के. ने कोर्ट से कहा कि राजभवन के लिए विधेयकों को मंजूरी देने की एक निश्चित समय सीमा निर्धारित की जाए। अधिकांश विधेयकों में राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त करने में राज्यपाल की ''चांसलर'' शक्तियों के पर कतरे गए हैं। सत्तारूढ़ डी.एम.के. मुख्यमंत्री को यूनिवर्सिटीज़ का चांसलर बनाना चाहती है। आज की सुनवाई में तमिलनाडु सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे सीनियर एडवोकेट अभिषेक सिंघवी व मुकुल रोहतगी और तमिलनाडु के राज्यपाल की पैरवी कर रहे सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता के बीच तीखी नोंक-झोंक हुई। सिंघवी और रोहतगी ने कहा कि ''राज्यपाल ने बिना कोई कारण बताए विधेयक लौटा दिए। उन्होंने संविधान की हर बात का उल्लंघन किया है।'' इस पर सॉलीसिटर जनरल ने जवाब दिया कि ''राज्यपाल महज एक टैक्निकल सुपरवाइजर नहीं है।'' कोर्ट ने ध्यान दिलाया कि रवि के समक्ष कुल 181 विधेयक भेजे गए जिनमें से 162 पर उन्होंने अपनी स्वीकृति दी।

कोर्ट ने यह भी टिप्पणी कि संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत किसी भी राज्य के राज्यपाल के पास तीन विकल्प होते हैं- एक तो उनके समक्ष प्रस्तुत विधेयक पर अपनी सहमति देना, स्वीकृति को रोक देना या उसे भारत के राष्ट्रपति के पास भेज देना। कोर्ट ने आगे कहा कि प्रावधान कहता है कि राज्यपाल इसे पुनर्विचार के लिए राज्य सरकार के पास भी भेज सकते हैं।'' कोर्ट ने प्रश्न किया कि ''क्या राज्यपाल किसी विधेयक को पुन: विधानसभा लौटाए बिना उसे स्वीकृति के लिए अपने पास रोके रख सकते हैं?

रवि ने इससे पूर्व नीट परीक्षा में छूट संबंधी विधेयक को काफी विलम्ब के बाद तभी राष्ट्रपति के पास भेजा, जब कि उसे विधानसभा ने पुन: पारित ना कर दिया। ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध की मांग करने वाले एक विधेयक पर भी उन्होंने ऐसा ही रवैया अपनाया था। उन्होंने कहा था कि ''विधेयक को रोके रखना उसे ना कहने का एक शिष्ट अंदाज है।'' केरल और पंजाब की सरकारें भी अपने-अपने राज्यपालों के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट में गई हैं। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को कोर्ट ने गत सप्ताह कहा था कि ''वह आग से खेल रहे हैं। केरल के मामले में कोर्ट ने केन्द्र सरकार और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान से जवाब तलब किया है।

सीनियर एडवोकेट वेणुगोपाल ने कहा कि ''यह महामारी जैसी स्थिति है। राज्यपालों को यह ऐहसास नहीं है कि वे संविधान के अनुच्छेद 168 के तहत विधायिका का हिस्सा हैं।''

केरल सरकार ने अपनी याचिका में दावा किया कि राज्य विधानसभा द्वारा पारित आठ विधेयकों पर विचार करने में राज्यपाल खान विलम्ब कर रहे हैं।

भाजपा हाई कमान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से कसमें खायी हैं कि, वे तो हाई कमान के, पार्टी के वफादार हैं, किसी नेता विशेष से जुड़े हुए नहीं हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि, इन चालीस उम्मीदवारों का यह माद्दा नहीं है कि, हाई कमान के निर्देश की अवहेलना कर सकें।

साथ ही ''फाइनल्स'' (24 का लोकसभा चुनाव) में सफलता के लिये, हाई कमान भी नहीं चाहता कि, किसी तरह भी वसुंधरा जी पूर्णतया बगावत की मुद्रा में आ जायें और भाजपा पिछले लोकसभा का रिजल्ट दोहरा नहीं पाये। गत लोकसभा चुनाव में भाजपा राजस्थान की सभी 25 सीटों पर विजयी हुई थी। इस बार यह माना जा रहा है कि, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश में भाजपा को सीटों का नुकसान होगा, लोकसभा चुनाव में। ऐसे में राजस्थान में सभी लोकसभा सीटों को जीतना और भी जरूरी हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि, पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को लगभग बाइस सीटें कम मिली थीं तथा कांग्रेस ने सरकार बनाई थी। पर कुछ महीनों बाद आयोजित लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पुन: पच्चीस में से पच्चीस सीटें जीती थीं। उस समय का नारा, ''मोदी तेरे से बैर नहीं, पर वसुंधरा तेरी खैर नहीं'' अनायास ही याद आ जाता है।

बहरहाल संसद के चुनाव में मोदी का रंग मतदाता के सिर चढ़ कर बोलता है। इस बार भी कुछ और हो ना हो, मोदी के कंधों पर ही लोकसभा चुनाव जिताने की जिम्मेवारी रहेगी। पर, यदि विपक्ष की एकता का प्रयास सफल हो गया और भाजपा के खिलाफ विपक्ष का एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की कोशिश कामयाब हो गयी तो, भाजपा के समक्ष एक दिक्कत हो सकती है। यह एक और कारण है, राजस्थान में वसुंधरा राजे को ''खुश'' रखने का और कम से कम खुली बगावत के मूड में आने से रोकने का। एक तरफ कुआं (वसुंधरा राजे को मु.मंत्री बनाने का विकल्प) और दूसरी ओर खाई, यानी राजस्थान में कम से कम लोकसभा चुनाव का रिजल्ट खतरे में डालने का ''ऑप्शन'', इनके बीच भाजपा हाई कमान ने अपनी किश्ती बड़ी ''मैच्योरिटी'' (समाई व समझदारी) से चलाई है।

और, आगे भी अगर भाजपा को अपनी किश्ती खेते रहना है तो, एक ही समाधान है कि, वसुंधरा राजे को ''ग्रेसफुल एक्जिट'' (सम्मानजनक विकल्प) देकर खुश नहीं तो, कम से कम संतुष्ट रखें, पूर्णतया असंतुष्ट नहीं होने दें। यह दिक्कत की बात है, पर स्वाभाविक है कि, मुख्यमंत्री की कुर्सी के सामने सभी अन्य विकल्प कुछ फीके से लगते होंगे वसुंधरा जी को। अत: केवल समझाइश से या पार्टी के हित का और हाई कमान की गरिमा का हवाला देकर वसुंधरा जी का मन बदलवाना संभव नहीं। यह तो ऐसा है कि, बीन की मनमोहक धुन सुना कर सांप को सम्मोहित कर लेना और उम्मीद करना कि वह आपकी मणि आपको सप्रेम दे देगा। केवल राजनीतिक लेन-देन दोनों पार्टियों को माफिक आ जाये, ऐसा समाधान अगर केवल शुद्ध राजनीतिक सौदेबाजी पर आधारित होगा तभी सफल होगा। अत: यह देखना काफी रोचक होगा कि, हाई कमान क्या ऑफर करता है और वसुंधरा जी उसमें क्या परिवर्तन कराती हैं, स्वीकार करने से पहले, और बातचीत की प्रक्रिया आगे बढ़ती है।

(क्रमश:)

बीकानेर में मोदी का रोड शो: लोगों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विकास को आगे बढ़ाना चाहती है परंतु यहां कांग्रेस की सरकार ने पांच वर्षों में राज्य को पीछे धकेल दिया। मोदी ने कहा रानीवाड़ा के प्राचीन हनुमान मंदिर में दलित पुजारी हैं यहां महिलाओं एवं दलितों को कांग्रेस गालियां कांग्रेस दे रही हैं। मोदी ने कहा, महिलाओं के विरुद्ध अत्याचार करने वाला घमण्डिया गठबन्धन कभी भला नहीं कर सकता। राजस्थान मुख्यमंत्री कहते हैं थाने में महिलाएं फर्जी बातें लिखवाती हैं। दिल्ली के कांग्रेसी नेता जादूगर की बात मानते हैं।

मोदी ने मोबाईल खर्च घटने, बेहतर कोविड प्रबंधन, प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि पाली जिले में 35 हजार आवास बनाए गए और अधिक बन सकते थे परंतु कांग्रेस सरकार ने गम्भीरता से नही लिया। हर घर नल कनेक्शन में भी घोटाला किया। उन्होंने कहा कि पानी चाहिए तो कांग्रेस से मुक्ति पानी होगी। पर्यटन पर चर्चा करते हुए मोदी ने कहा पाली से गोरमघाट तक हैरिटेज ट्रेन चलाई गई एवं रेलवे स्टेशनों के आधुनिकरण किया जा रहा है। फ्रेट कॉरिडोर से भी क्षेत्र में उन्नित होगी। उन्होंने आउवा के ठाकुर खुशाल सिंह एवं स्थानीय देवताओं को नमन किया और उन्होंने कहा कि वे वोट मांगने नहीं आए, 3 दिसम्बर को शपथ ग्रहण का निमंत्रण देने आए हैं।

इस मौके पर पाली से सांसद पी.पी. चौधरी तथा पाली की सभी विधानसभा सीटों के प्रत्याशी भी मौजूद थे।

बीकानेर में हुआ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भव्य रोड शो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पीलीबंगा के गांधी स्टेडियम में 'विजय संकल्प सभा' को भी संबोधित किया तथा हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर जिलों के भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदाताओं को साधने का प्रयास किया।

33 मिनट के भाषण में मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि 2014 से पहले पदमश्री पुरस्कार दिए जाते थे परंतु वे उनको मिलते थे, जिनकी सत्ता में बैठे लोगों तक पहुंच होती थी परंतु हमने गांव, ढाणी में बैठे समर्पित भाव से काम करने वाले लोगों को सम्मान दिया। करीब 50 हजार लोगों की भीड़ से अभिभूत मोदी ने जनता के हाथ खड़े करवाकर पूछा कि बेईमानों से मुक्ति मिलनी चाहिए कि नहीं, जनता ने कहा मिलनी चाहिए। मोदी ने कहा कि सबसे पहले उन्हें चुनावों में पराजित कर सजा देनी होगी। मोदी ने लोगों से राजस्थान की यही पुकार, आ रही है भाजपा सरकार' के नारे लगवाए। मोदी ने कहा कि गुरु परम्परा, संत परम्परा, नाम जपो कीरत करो, यह सीख हमारे गुरुओं ने दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कीरत करने वालों के लिए पी.एम. विश्वकर्मा योजना लाई जा रही है। कीरत करने वाले को सम्मान दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि हमने देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने का काम किया। करोना काल में जब पूरी दुनियां पर मौत मंडरा रही थी तब भी आपका यह सेवक सोता नहीं था। मैने तब भी प्रण लिया था कि 80 करोड़ देशवासियों का चूल्हा बुझने नहीं दूंगा। मोदी ने कहा कि हनुमानगढ़ व श्रीगंगानगर में नशे के तस्करों का जाल बिछा है भाजपा की सरकार बनते ही इन्हें जेल भेज दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि हमने मानवता की सेवा के लिए कार्य किया है। अफगानिस्तान में युद्ध के समय अदब से गुरु ग्रंथ साहिब को लाना, करतारपुर कॉरिडोर को खुलवाना, साहिबजादों के बलिदान दिवस को बाल दिवस के रूप में मनाने का काम आपके इस सेवक ने किया। मोदी ने क्षेत्र में दूषित पेयजल की वजह से बढ़ रहे कैंसर रोगियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल मिले, इसके लिए जल जीवन मिशन अभियान के तहत यह कार्य किया जाएगा। इससे पूर्व मंच पर पहुंचने पर उपस्थित भाजपा प्रत्याशियों ने मोदी का स्वागत किया।

आज प्र.मंत्री का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रोड शो को लेकर जयपुर में एस.पी.जी. ने मोर्चा संभाल लिया है। पुराना शहर और तंग गलियों आदि के चलते सुरक्षा के साथ ही आवाजाही को लेकर भी प्लान बनाया जा रहा है। रोड शो के माध्यम से प्रधानमंत्री जयपुर शहर व देहात की डेढ़ दर्जन सीटों का माहौल बदलने की कोशिश करेंगे। बताया जा रहा है कि, प्रधानमंत्री मोदी करीब साढ़े पांच बजे एयरपोर्ट पहुँचेंगे। इसके बाद वे जवाहर सर्किल, ओ.टी.एस. चौराहा, गांधीनगर सर्किल, जेडीए सर्किल, एल्बर्ट हॉल, एम.आई. रोड होते हुए सांगानेरी गेट पहुंचेंगे। सांगानेरी गेट पर प्रधानमंत्री मोदी खुले रथ में सवार होंगे और रोड शो शुरू होगा। रोड शो बापू बाजार, नेहरू बाजार, किशनपोल, छोटी चौपड़, त्रिपोलिया बाजार व गेट, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार हुए सांगानेरी गेट पर ही समाप्त होगा। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी करीब 8 बजे एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा पुष्प वर्षा के साथ जगह जगह स्वागत किया जाएगा।

सहारा का ''अनक्लेम्ड फण्ड'' सरकारी खजाने में मिलाने की तैयारी?

सेबी के पास सहारा का 25,000 करोड़ रूपया जमा है, जिसके लिए किसी ने भी दावा नहीं किया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। केन्द्र सरकार अगले वर्ष होने जा रहे लोकसभा चुनावों से महीनों पूर्व सहारा के 25 हजार करोड़ से अधिक के लावारिस कॉर्पस फण्ड्स को ट्रांसफर करने की विधिक प्रक्रिया पर काम कर रही है। ये फण्ड्स सेबी के पास रखे हुए हैं।

सहारा ग्रुप के चेयरमैन सुब्रत रॉय के हाल ही हुए निधन के बाद ये लावारिस फण्ड्स फिर से सुर्खियों में आ गए हैं और उम्मीद है कि अब इन्हें भारत की समेकित निधि में ट्रांसफर किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि इनका उपयोग भारत सरकार द्वारा गरीबों और सामाजिक कल्याण के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं को गति प्रदान करने के लिए किया जाएगा।

जिन विधिक प्रक्रियाओं पर काम किया जा रहा है, उनके अन्तर्गत निवेशकों को उनकी राशि रिफण्ड करने का भी एक प्रावधान बनाया जाएगा। तथापि और अन्य निवेशकों के आगे आने की संभावना ना के बराबर है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट की पहल पर जब सहारा सेबी रिफण्ड अकाउण्ट तैयार किया गया था तब गत दशक की राशि का दावा करने वाले बहुत कम निवेशकों ने इसमें आवेदन किया था।

सेबी ने वर्ष 2011 में सहारा रीयल एस्टेट कॉरपोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड को आदेश दिया था उसने 3 करोड़ निवेशकों का 25 हजार करोड़ का जो कॉर्पस फण्ड निर्मित किया था, उन्हें उनकी रकम रिफण्ड की जाए। इन निवेशकों ने सहारा के पूर्ण परिवर्तनीय बॉण्ड्स खरीदे थे। मार्केट रैग्यूलेटर सेबी ने माना था कि सहारा ग्रुप कम्पनियों ने नियमों का उल्लंघन कर फण्ड्स जुटाए है। सेबी ने आदेश दिया था कि इस राशि को 15 प्रतिशत ब्याज जोड़कर निवेशकों को रिफण्ड किया जाए।

सहारा ग्रुप ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, हालांकि शीर्ष अदालत ने सेबी के आदेश को सही माना और सहारा कम्पनियों को निर्देश दिए कि वे सेबी में फण्ड्स जमा कराएं। ग्रुप के चेयरमैन सुब्रत रॉय को सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनुपालना ना करने को लेकर वर्ष 2014 में गिरफ्तार किया गया था और इस ग्रुप ने जब सेबी द्वारा नियंत्रित विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के स्पेशल अकाउण्ट्स में 24 हजार करोड़ रूपए जमा कराए तो रॉय को वर्ष 2016 में जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

इस वर्ष 31 मार्च को सहारा-सेबी रिफण्ड अकाउण्ट में उपार्जित ब्याज सहित कुल 25 हजार 163 करोड़ रूपए जमा थे। इस अकाउण्ट से अब तक 17 हजार 526 निवेशकों को 138 करोड़ की राशि रिफण्ड की गई है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:**-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908